विशाल इण्डिया

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

सच्चाई की राह पर!

वर्ष: 13 | अंक: 34 | गौतमबुद्धनगर, बुधवार 03 जनवरी 2024 | पृष्ठ : 08 मूल्य : 02 रूपये | आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236

P- 3
स्क्रैप माफिया रवि काना समेत 16 पर गैंगस्टर

P- 4
पिता ने बेटी और प्रेमी को फावड़े से काट डाला, सुबह 4 बजे चुपके से घर

P- 5
चीन-अमेरिकी द्विपक्षीय संबंधों का जिमेदारी से प्रबंधन करने को लेकर

P- 6
टी20 क्रिकेट में रोहित शर्मा की होगी वापसी! कुछ दिन में हो सकता है

हैप्पी मॉर्निंग

एक साहब महिला से कहने लगे- माफ कीजिए मैं कुछ देर आपसे बातें करना चाहता हूं।
महिला - इससे आपका क्या फायदा होगा?
साहब- दरअसल, मेरी पत्नी खो गई है, वह मुझे आपसे बातें करते हुए देखेगी तो गोली की तरह यहां पहुंच जाएगी।

शायरी

शहीदों के त्याग को हम बदनाम
नही होने देंगे
भारत की इस आजादी की कभी
शाम नही होने देंगे

अर्थसार

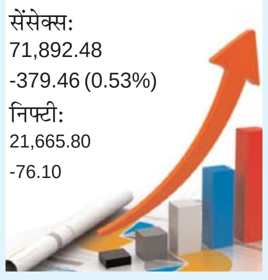

सेंसेक्स:
71,892.48
-379.46 (0.53%)
निफ्टी:
21,665.80
-76.10

मौसम

अधिकतम : 14 डिग्री से0
न्यूनतम : 06 डिग्री से0
सूर्योदय गुरुवार : 7 : 20
सूर्यास्त बुधवार : 5 : 35

19 राज्यों में कोहरा, 9 शहरों में जीरो विजिबिलिटी

राजस्थान-यूपी में सुबह का तापमान 6, उत्तर भारत में शीत लहर की चेतावनी

भोपाल/चंडीगढ़/दिल्ली/जयपुर। देश के 19 राज्यों में मंगलवार की सुबह घने कोहरे के साथ हुई। भोपाल, अजमेर, बीकानेर, लखनऊ, वाराणसी, बहराइच, बरेली, पटियाला और देहरादून में जीरो विजिबिलिटी रिकॉर्ड की गई। कोहरे का असर ट्रेनों पर भी देखने को मिला। दिल्ली में 26 ट्रेनें अपने निर्धारित समय पर नहीं चल पाईं।

उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ इलाकों में आज सुबह तापमान 6 तक पहुंच गया। आईएमडी के मुताबिक, आज देश के उत्तरी राज्यों और उत्तरी राजस्थान के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान 6-9 सेल्सियस के बीच रहेगा। दिल्ली, दक्षिण राजस्थान और उत्तरी मध्य प्रदेश में तापमान 10 -12 डिग्री सेल्सियस तक गिरने की संभावना है।

कश्मीर के श्रीनगर में पारा माइनस 4.8 डिग्री तक गिर गया। इससे वहां के पार्क में बर्फ की परत जम गई है।

मौसम विभाग ने 5 से 11 जनवरी के बीच रात और दिन के तापमान में और गिरावट होने की संभावना जताई है। उत्तर भारत के कुछ राज्यों में शीत लहर भी चल सकती है।

राजस्थान, यूपी में सीवियर कोल्ड डे की चेतावनी

प्राइवेट वेदर एजेंसी स्काईमेट और मौसम विभाग के मुताबिक, मध्य प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में कोहरे की मौजूदा स्थिति बनी रहेगी। वहीं, दक्षिणी उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में आज हल्की बारिश हो सकती है। उधर, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ हिस्सों में सीवियर कोल्ड की स्थिति बन सकती है। मध्य प्रदेश में फिलहाल सीवियर कोल्ड की स्थिति बनने की संभावना नहीं है। दक्षिण भारत के किसी राज्य में कोहरे को लेकर अलर्ट जारी नहीं किया गया।

4 महीने में ही हटाए गए कानपुर कमिश्नर स्वर्णकार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने नए साल पर पुलिस विभाग में फेरबदल किया है। मंगलवार सुबह 7 आईपीएस अफसरों के ट्रांसफर किए हैं। इनमें सबसे अहम नाम कानपुर के पुलिस कमिश्नर आरके स्वर्णकार का है। 1996 बैच के आईपीएस आरके स्वर्णकार का 4 महीने में ही तबादला कर दिया गया। उन्हें सीतापुर में ऑर्म्ड पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज का एडीजी बनाया गया है। कानपुर पुलिस की कमान 1994 बैच के अखिल कुमार को सौंपी गई है। उन्हें नया कमिश्नर बनाया गया है। अखिल कुमार 2005 में डकैत निर्भय गुर्जर के एनकाउंटर से चर्चा में आए थे। वह उस वक्त एसटीएफ में थे। कानपुर में 25 मार्च 2021 को कमिश्नरेट बनाया गया था। स्वर्णकार चौथे पुलिस कमिश्नर थे। जिनका कार्यकाल सबसे कम रहा है। इसके पहले, असीम अरुण, विजय मीणा और बीपी जोगदंड पुलिस कमिश्नर रहे हैं। इसके अलावा, मेरठ के एडीजी जोन राजीव सभरवाल को एडीजी डॉ. बीआर अंबेडकर एकेडमी मुरादाबाद बनाया गया है। उनकी जगह पर ध्रुवकांत ठाकुर को मेरठ जोन की कमान दी गई है। राजीव सभरवाल की वर्किंग को लेकर कई बार सवाल उठे। उनके नाम से कुछ व्हाट्सएप चैट भी वायरल हुए, जिसकी जांच डीजीपी मुख्यालय और इंटेलिजेंस यूनिट ने कराई थी।

मरीज की मौत पर बिहार को मानवाधिकार ने दिया नोटिस

नयी दिल्ली। मानवाधिकार आयोग ने बिहार के मुंगेर जिले के एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में ऑक्सीजन की अनुपलब्धता के कारण एक मरीज की मौत के मामले में बिहार सरकार के मुख्य सचिव को नोटिस दिया है। आयोग की विज्ञप्ति के अनुसार इस मामले में राज्य के मुख्य सचिव आमिर सुब्हानी से चार सप्ताह के भीतर मामले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी गयी है। आयोग ने इस मामले में मीडिया की खबरों के आधार पर कदम उठाते हुये यह नोटिस जारी किया।

हड़ताल खत्म करने पर सहमति

AIMTC ने हड़ताली ड्राइवर्स से काम पर लौटने की अपील की

- मध्य प्रदेश, राजस्थान, समेत 10 राज्यों से पेट्रोल-डीजल पंप खाली हुए। चंडीगढ़ में शर्तों पर पेट्रोल-डीजल दिया गया।
- छत्तीसगढ़ में पुलिस की कस्टडी में पेट्रोल की सप्लाई की जा रही है। यूपी के मैनपुरी में प्रदर्शनकारी ड्राइवरों को हटाने पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे।
- बिहार के हाजीपुर, राजस्थान के अजमेर, मध्य प्रदेश के खरगोन में भी पुलिस और प्रदर्शकारियों में झड़प हुई है।
- मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में मंगलवार को 2 याचिकाओं पर सुनवाई की। कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि हड़ताल तुरंत खत्म करवाकर, परिवहन बहाल करवाए।

नई दिल्ली। केंद्र सरकार और ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के बीच मंगलवार को हड़ताल खत्म करने पर सहमति बन गई। इसके बाद सरकार की ओर से नई दिल्ली में केंद्रीय गृहसचिव अजय भल्ला ने मीडिया से कहा- हमने आश्वासन दिया है कि हिट एंड रन का नया कानून AIMTC से चर्चा के बिना लागू नहीं किया जाएगा।

इस बैठक के बाद AIMTC और सरकार ने ट्रक ड्राइवर्स से काम पर लौटने की अपील की है।

कांग्रेस ने ट्रक ड्राइवर्स की हड़ताल का समर्थन किया है। अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कानून के दुरुपयोग से जबरन वसूली नेटवर्क और भ्रष्टाचार को बढ़ सकता है।

ट्रकों की हड़ताल का आम आदमी पर असर

इस हड़ताल का आम आदमी पर सीधा असर देखने को मिल सकता है। ट्रकों की हड़ताल होने से दूध, सब्जी और फलों की आवक नहीं होगी और कीमतों पर इसका सीधा असर देखने को मिलेगा।

वहीं, पेट्रोल-डीजल की सप्लाई रुकने के आसार हैं, जिससे लोकल ट्रांसपोर्ट और आम लोगों को आवाजाही में दिक्कत हो सकती है।

भारत में 95 लाख से ज्यादा ट्रक हर साल 100 अरब किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय करते हैं।

देश में 80 लाख से ज्यादा ट्रक ड्राइवर हैं, जो हर दिन जरूरत का सामान एक शहर से दूसरे शहर ट्रांसपोर्ट करते हैं। हड़ताल के कारण इतनी बढ़ी संख्या में ट्रकों के रुकने से जरूरी चीजों की किल्लत हो सकती है।

मध्य प्रदेश : इंदौर में करीब 900 बसें बंद, खरगोन में पुलिस-प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प

मध्यप्रदेश में ज्यादा असर है। मप्र में एसोसिएशन के पदाधिकारी विजय कालरा ने कहा, प्रदेश में छह लाख ट्रक हैं।

डेढ़ लाख ट्रक दो दिन से खड़े हैं। औपचारिक ऐलान से स्थिति बिगड़ सकती है। ट्रांसपोर्ट कांग्रेस ने कहा, देश में 95 लाख ट्रक हैं। 30 लाख से ज्यादा का परिचालन नहीं हो रहा है। इसके अलावा, एमपी, राजस्थान, महाराष्ट्र, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, गुजरात, छत्तीसगढ़, पंजाब, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में भी आज हालात बिगड़ सकते हैं।

भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर समेत अन्य शहरों के बस स्टैंड से बसें नहीं चल रही हैं।

अकेले इंदौर में करीब 900 बसें बंद हैं। मध्यप्रदेश स्कूल बस सेवा संचालक समिति के अध्यक्ष शिवकुमार सोनी ने बताया कि मंगलवार को भी स्कूल बस और स्कूल वैन बंद रहेंगी। प्रदेश में कुल सवा लाख से अधिक स्कूल बसें और वैन चलती हैं। हड़ताल के चलते भोपाल के 5 स्कूलों में 2 जनवरी की छुट्टी कर दी गई है।

राजस्थान में सोमवार को शुरू हुआ विरोध मंगलवार (2 जनवरी) को भी जारी है।

प्रदेश में ट्रक और ट्रेलर एसोसिएशन के साथ प्राइवेट बस ऑपरेटर्स भी हड़ताल पर उतर आए हैं। एहतियात के तौर पर रोडवेज बसों का संचालन सोमवार को बंद रहा। अलवर, अजमेर, जयपुर, भीलवाड़ा समेत अलग-अलग जिलों में इस कानून को लेकर विरोध किया गया और चक्का जाम किया।

छत्तीसगढ़ : पुलिस सुरक्षा में पेट्रोल-डीजल की सप्लाई

छत्तीसगढ़ में भी सोमवार से शुरू हुई बस और ट्रक ड्राइवर्स की हड़ताल आज मंगलवार को भी जारी है। पेट्रोल की सप्लाई प्रभावित होने से कई बड़े शहरों में देर रात तक पेट्रोल पंप पर भीड़ लगी रही।

वहीं, सब्जियों की सप्लाई रुकने से थोक मंडी तक गाड़ियां नहीं पहुंच रही हैं। इससे सब्जियों के दाम बढ़ गए हैं।

बिहार के हाजीपुर में पुलिस और हिट एंड रन कानून का विरोध कर रहे ट्रक ड्राइवर आमने-सामने आ गए। विवाद इतना बढ़ गया कि पुलिस ने विरोध कर रहे लोगों पर बंदूकें तान दीं। इससे ड्राइवर आक्रोशित हो गए और RPF के जवानों पर टूट पड़े। बवाल बढ़ने पर रेल पुलिस के जवान वहां से जान बचाकर भागे।

सवाल पूछा- पूरे नेटवर्क में कवच सिस्टम लागू करने पर कितना खर्च आएगा

सुप्रीम कोर्ट का केन्द्र से सवाल-रेलवे ने सेफ्टी के लिए क्या किया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार (2 जनवरी) को केंद्र से पूछा कि ट्रेन हादसे रोकने के लिए रेलवे में क्या सेफ्टी पैरामीटर लगाए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम 'कवच' की जानकारी भी मांगी। जस्टिस सूर्य कांत और केवी विश्वनाथन की बेंच ने अटॉर्नी जनरल से कहा कि रेलवे ने कौन से सुरक्षा उपाय लागू किए हैं या करने वाली है, चार हफ्ते बाद होने वाली सुनवाई में इसकी डिटेल दें।

जून में हुए ओडिशा ट्रेन हादसे में 293 लोगों की जान गई थी, जिसके बाद सरकार ने कवच सिस्टम लाने की बात कही थी। कोर्ट ने पूछा कि कवच सिस्टम को पूरे देश में लागू करने पर कितना आर्थिक बोझ पड़ने वाला है, क्या इसका आकलन करने के लिए कोई प्रक्रिया अपनाई गई है?

सुप्रीम कोर्ट एक याचिका की सुनवाई कर रहा था, जिसमें हादसे रोकने के लिए 'रेलवे एक्सीडेंट प्रोटेक्टिव' उपायों को लागू करवाने के लिए सरकार को निर्देश देने की मांग की गई थी। इस याचिका में ये मांग भी की गई

कि रेलवे में तत्काल प्रभाव से कवच सिस्टम को लागू करने के लिए गाइडलाइन जारी करें। याचिका में कहा गया कि ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम के सेफ्टी मेकैनिज्म को अब तक देशभर में ग्राउंड लेवल पर लागू नहीं किया गया है। ये साबित हो चुका है कि कवच जो कि ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम है, वह ओडिशा के बालासोर में हादसे वाले रूट पर अब तक नहीं लगाया गया है।

क्या है रेल कवच, जिससे ओडिशा रेल हादसे को टाला जा सकता था?

रेल कवच एक ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम है। इसे 'ट्रेन कोलिजन अवॉइडेंस सिस्टम' यानी TCAS कहते हैं। यह भारत में 2012 में बनकर तैयार हुआ था। इंजन और पटरियों में लगे इस डिवाइस की मदद से ट्रेन की ओवर स्पीडिंग को कंट्रोल किया जाता है।

इस तकनीक में किसी खतरे का अंदेशा होने पर ट्रेन में अपने आप ब्रेक लग जाता है। तकनीक का मकसद ये है कि ट्रेनों की स्पीड चाहे कितनी भी हो, लेकिन कवच के चलते ट्रेनें टकराएंगी नहीं। सेफ्टी इंटीग्रिटी लेवल 4 सर्टिफाइड रेल कवच को रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड ऑर्गेनाइजेशन यानी RDSO ने बनाया है।

देश में तेजी से फैल रहा जेएन.1 वेरिएंट

नई दिल्ली। देश में कोरोना की रफ्तार भले ही धीमी है, लेकिन जेएन.1 वेरिएंट के मामले सामने आने से खतरा बढ़ रहा है। INSACOG के मुताबिक, देश में अब तक जेएन.1 वेरिएंट के कुल 312 मामले सामने आए हैं। इनमें से 47 प्रतिशत मामले अकेले केरल में मिले हैं, जो चिंता का विषय बन रहा है। बता दें कि अब तक 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जेएन.1 वेरिएंट के मामले मिले हैं। जानकारी के अनुसार, केरल में 147, गोवा में 51, गुजरात में 34, महाराष्ट्र में 26, तमिलनाडु में 22, दिल्ली में 16, कर्नाटक में आठ, राजस्थान में पांच, तेलंगाना में दो और ओडिशा में एक मामले सामने आए हैं। INSACOG ने बताया कि पिछले साल दिसंबर में जेएन.1 के 279 मामले सामने आए थे, जबकि नवंबर में 33 मामले मिले थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भी जेएन.1 को लेकर चेतावनी जारी की है।

सत्ताधीशों के लिए धर्मनिरपेक्षता अपमानजनक बन गई है : सोनिया

लोकतंत्र को बचाने का दावा करने वाले ही उसे कमजोर कर रहे

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने कहा है कि सत्ता में बैठे लोगों के लिए धर्मनिरपेक्षता अपमानजनक बात बन गई है। इसकी वजह से हमारे समाज का ध्रुवीकरण बढ़ता जा रहा है। सोनिया ने कहा कि धर्मनिरपेक्षता भारत के लोकतंत्र की नींव का पत्थर है। सोनिया ने ये बातें मनोरमा ईयरबुक 2024 के लिए एक आर्टिकल में लिखीं। उन्होंने कहा कि सत्ता में बैठे लोग कहते तो हैं कि वे लोकतंत्र के लिए प्रतिबद्ध हैं, लेकिन वे इसे कमजोर कर रहे हैं। वे रास्ते जिनसे हमारा देश एकता और तालमेल की तरफ जाता, उन्हें ही बर्बाद किया जा रहा है। लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता गहराई से आपस में जुड़े हैं- जैसे किसी रेल की पटरी के दो ट्रैक, जो सरकार को एक मजबूत सोसाइटी बनाने की तरफ ले जाते हैं।

धर्मनिरपेक्षता को समझ लिया, तो हर नागरिक भारत को समझ जाएगा

सोनिया ने कहा कि हम सब इन शब्दों से वाकिफ हैं, जिन्हें हम डिबेट, स्पीच, स्कूली किताबों और संविधान की प्रस्तावना में पढ़ते हैं। इसके बावजूद इन अवधारणाओं का असल मतलब आसानी से समझ नहीं आता है। इन शब्दों को अगर साफ-साफ समझ लिया गया, तो हर नागरिक को भारत के इतिहास, मौजूदा समय की चुनौतियां और भविष्य की राह को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी।

मोदी सरकार ने किया 100 करोड़ का सेना भर्ती घोटाला : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने मोदी-सरकार पर 100 करोड़ के कथित सेना भर्ती घोटाला करने का आरोप लगाते हुए कहा कि 'अग्निपथ योजना' आने से पहले आर्मी की भर्तियों में चयनित हुए डेढ़ लाख से ज्यादा युवाओं को तुरंत जॉइनिंग दी जाए। कांग्रेस के पूर्व सैनिक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष कर्नल (सेवानिवृत्त) रोहित चौधरी ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में इस आशय की बात कही। उन्होंने कहा कि अग्निपथ योजना आने से पहले करीब डेढ़ लाख से ज्यादा युवा आर्मी, एयरफोर्स और नेवी में चयनित किए गए थे। लेकिन अग्निपथ योजना आने के बाद मोदी सरकार ने इनके सपनों को चूर-चूर कर दिया। चयनित होने के बावजूद भी डेढ़ लाख से ज्यादा युवाओं को मोदी सरकार द्वारा ज्वाइनिंग लेटर नहीं दिया गया। सात हजार युवा एयरफोर्स में अपनी जॉइनिंग लेटर का इंतजार करते रहे, लेकिन उन्हें लेटर नहीं दिया गया। इसी तरह आर्मी में ढाई हजार नर्सिंग असिस्टेंट को देश सेवा का मौका नहीं दिया गया।

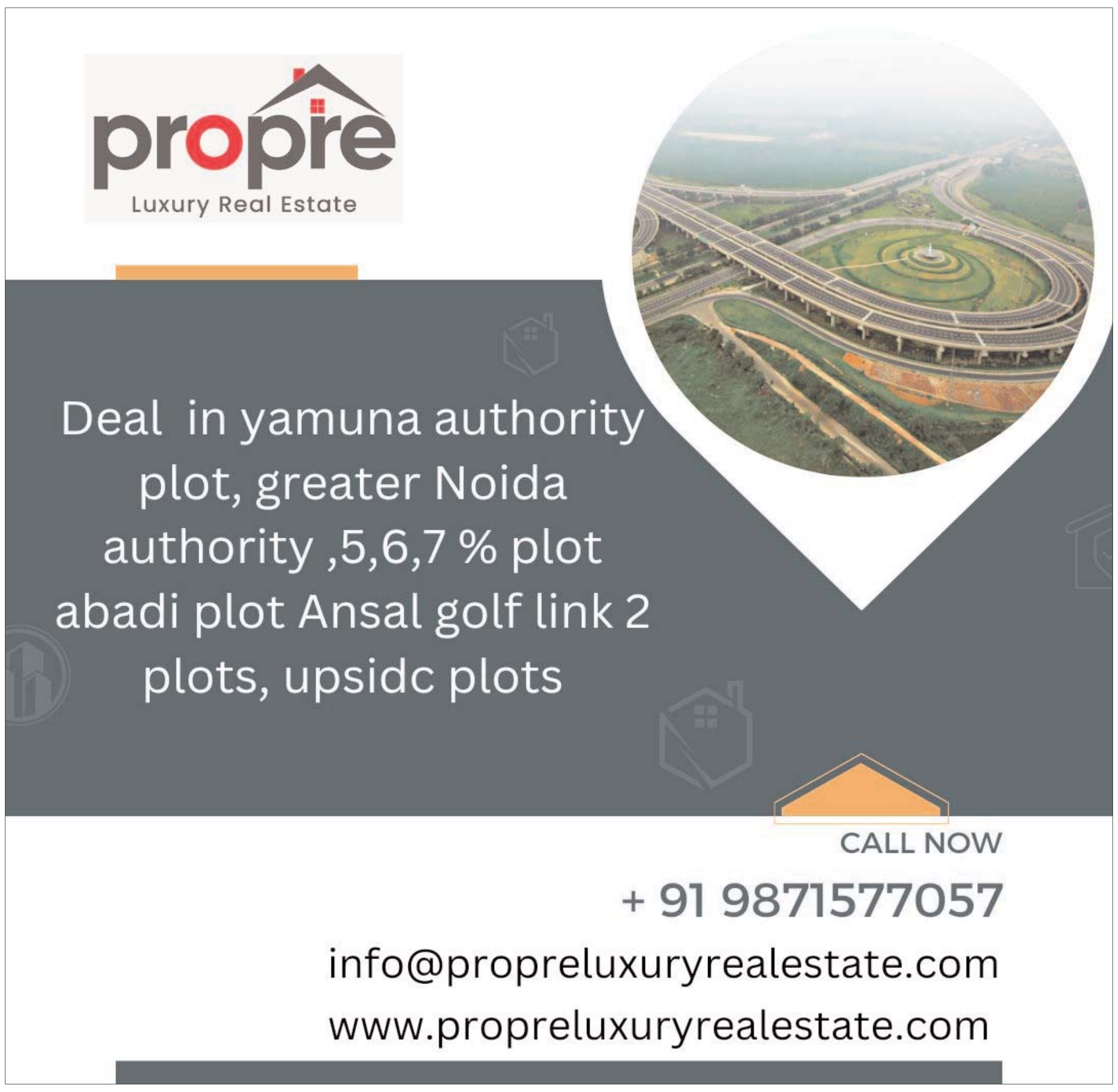

खालिस्तान समर्थकों की फंडिंग पर एनआईए की नजर

पिछले वर्ष 19 मार्च को लंदन में और 2 जुलाई को सैन फ्रांसिस्को में खालिस्तान समर्थक उग्रवादी तत्त्वों ने भारतीय दूतावास पर दो बार हमले किए थे। इसके बाद एनआइए के एक दल ने आगजनी और बर्बरता की घटनाओं की जांच के लिए अगस्त 2023 में सैन फ्रांसिस्को का दौरा किया था।

अमेरिका और लंदन में भारत के उच्च राजनयिक कार्यालयों पर हमलों के समय से ही इस बात के स्पष्ट संकेत थे कि उनके पीछे खालिस्तान समर्थकों का हाथ हो सकता है। हालांकि भारत सरकार की ओर से इस मामले में ठोस कदम उठाने के लिए पुख्ता आधार जुटाए जा रहे थे, लेकिन अब राष्ट्रीय जांच एजंसी यानी एनआइए ने उन तैंतालीस खालिस्तान समर्थक आरोपियों की पहचान की है, जो लंदन में भारतीय उच्चायोग और अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को स्थित दूतावास पर हमलों में शामिल थे।

इस बीच विदेश में भारतीय मिशनों पर हमले के पीछे साजिशों का खुलासा करने के मकसद से एनआइए ने पचास से ज्यादा जगहों पर छापे मारे। इस समूचे मामले में एक अभिन्न तथ्य यह भी है कि अगर अमेरिका, कनाडा या लंदन में कुछ खालिस्तान समर्थक इतनी गंभीर और आतंकी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं, तो ऐसे समूहों का कहीं न कहीं से वित्तपोषण होता है। इसी की कड़ियां पकड़ने के लिए केंद्रीय जांच एजंसी खालिस्तानी आतंकी संगठनों को धन मुहैया कराने के मामलों पर भी गौर कर रही है।

गौरतलब है कि पिछले वर्ष 19 मार्च को लंदन में और 2 जुलाई को सैन फ्रांसिस्को में खालिस्तान समर्थक उग्रवादी तत्त्वों ने भारतीय दूतावास पर दो बार हमले किए थे। इसके बाद एनआइए के एक दल ने आगजनी और बर्बरता की घटनाओं की जांच के लिए अगस्त 2023 में सैन फ्रांसिस्को का दौरा किया था। यों कनाडा के साथ-साथ अमेरिका, लंदन और आस्ट्रेलिया जैसे देशों में खालिस्तान समर्थक तत्त्व सक्रिय रहे हैं, लेकिन हाल के वर्षों में ऐसे समूहों ने अपनी हरकतें तेज कर दी हैं।

लंदन और सैन फ्रांसिस्को में भारतीय उच्चायोग और दूतावासों पर हमले के जरिए वे अपने मकसद और अपनी मौजूदगी का संदेश देना चाहते थे। विडंबना है कि भारत पहले से ही इस संबंध में अपनी आशंका से कनाडा, अमेरिका और ब्रिटेन आदि को अवगत कराता रहा है कि वहां खालिस्तान समर्थक समूह आतंकी हमलों को अंजाम दे सकते हैं। मगर ऐसा लगता है कि इन देशों में भारत की आशंकाओं को समय पर महत्त्व नहीं दिया गया। नतीजा सामने है कि अमेरिका और लंदन में सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली सुरक्षा व्यवस्था के बीच हमलों को अंजाम दिया गया, दूतावास में आग लगाई गई।

इससे यही साफ हुआ कि ऐसी आतंकी गतिविधियां संचालित करने वाले तत्त्वों का मनोबल किस स्तर तक बढ़ा हुआ है, साथ ही यह भी पता चलता है कि इन देशों में हर स्तर पर मजबूत माना जाना वाला खुफिया तंत्र होने के बावजूद इन्हें फलने-फूलने का मौका मिला। भारत की ओर से जब कनाडा में खालिस्तान समर्थक समूहों की साजिशों को लेकर सवाल उठाए जाते हैं, तब वहां एक तरह से इसे लेकर उदासीनता ही दिखाई जाती रही है। जबकि देखा जा सकता है कि कनाडा या अन्य कई देशों में रह कर कुछ समूह भारत में खालिस्तान समर्थक अभियानों की जमीन मजबूत करने की साजिश में लगे हुए हैं।

यह ध्यान रखने की बात है कि किसी छोटी घटना की अनदेखी ही बड़ी साजिशों को अंजाम देने का आधार बन जाती है। जब दूतावासों पर हमले की घटनाएं सामने आईं, तब कनाडा ने खालिस्तान समर्थकों के विरोध को लेकर सचेत होने की बात जरूर कही, मगर हकीकत यह है कि जब तक भारत के खिलाफ संचालित होने वाली गतिविधियों को रोकने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए जाएंगे, तब तक ऐसे आश्वासनों का कोई हासिल नहीं होगा।

नये वर्ष में खोजने होंगे अनुत्तरित सवालों के जवाब

- ललित गर्ग-

नया साल प्रारंभ हो गया है तो हर बार की तरह इस बार भी नई उम्मीदें, नया विश्वास एवं नया धरातल लाया है। बीत गया एक और साल। नये की स्वीकृति के साथ पुराने को अलविदा कह देने की सामान्य सोच रही है। यह समझ देखी गयी है कि नयेपन के जादुई आकर्षण के जागते ही हम पुरानेपन को उतार फेंकना चाहते हैं। हमने बीते वर्ष में श्रेष्ठताओं की उपलब्धि पर सात्विक गर्व करने की अनेक स्थितियों को रचा है लेकिन हम सबके लिए और देश के लिए भी आने वाले वर्ष कुछ महत्वपूर्ण करणीय कार्य है। निश्चित ही नया साल हमेशा की तरह कुछ सवाल भी लेकर आया है। ऐसे सवाल जिनका हल निकाले बिना शायद हम संतुष्ट न हो पाएं और नये भारत-सशक्त भारत का सपना आधा-अधूरा ही कहा जायेगा। ऐसे नए-पुराने सवाल हर नए साल में सामने आते रहे हैं। कुछ सवालों को हल करने में हम सफल रहे, लेकिन कुछ सवाल हमेशा की तरह अनुत्तरित ही रह गए। सच तो यह है कि नई जिन्दगी की शुरुआत ही नया वर्ष है। यह पुरुषार्थ का सन्देश है, अधूरे रहे कामों एवं संकल्पों को पूरा करने का। इन क्षण जड़ताओं को तोड़कर मुक्त होती है हमारे विकास की उजली संभावनाएं। यह अच्छाइयों एवं अधूरे रहे कार्यों को पूरा करने की ओर मुड़ने की प्रेरणा है। अर्धशून्य ढर्रे की जीवनशैली एवं विकास योजनाओं को बदलने का बुजुर्गी सुझाव है। समस्या जब बहुत चिन्तनीय बन जाती है तो उसे बड़ी गंभीरता से नया मोड़ एवं रफ्तार देने की जरूरत है। शिक्षा, चिकित्सा एवं पर्यावरण से जुड़ी समस्याएं से जुड़े ऐसे ही अफसोस के अहसास हमारे लिये गंभीर होने चाहिए।

आजादी के अमृत काल में भी शिक्षा, चिकित्सा एवं पर्यावरण से जुड़ी चिन्ताओं का गहन बना रहना हमारी विकास यात्रा पर एक सवालिया निशान है।

शिक्षा जगत से जुड़ी एक खबर सामने आई है, वह यह कि बढ़ती महंगाई और बदलते नियमों से विदेशों में पढ़ाई मुश्किल हुई है। सब जानते हैं कि शिक्षा हर परिवार के लिए एक महत्त्वपूर्ण मुद्दा है। हर मां-बाप अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाना चाहते हैं। कई बार अच्छी शिक्षा के लिए बच्चों को विदेश भी भेजना पड़ता है। सवाल यह है कि आबादी के हिसाब से दुनिया का पहले नंबर वाला देश क्या अपने यहां ही बच्चों को अच्छी शिक्षा मुहैया नहीं करा सकता? यह सवाल करोड़ों बच्चों की जिंदगी से जुड़ा हुआ है। सरकार के अनूठे एवं व्यापक प्रयत्नों के बावजूद शिक्षा और चिकित्सा के लगातार महंगे होने की चिन्ता से हर कोई परेशान है। शिक्षा और चिकित्सा को व्यवसाय बना देने एवं निजी हाथों में सौंप देने से ही दोनों महंगी हुई है, आम आदमी तक उसकी पहुंच जटिल होती गयी है।

इस बात पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने चिन्ता जताते हुए कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों ही हर व्यक्ति की मूलभूत जरूरत है पर दोनों ही महंगी और दुर्लभ हो रही हैं। इसकी वजह जनसंख्या के मुताबिक उपलब्धता की कमी और व्यावसायिकता है।' नये भारत के निर्माण के साथ समय की इस दस्तक को सुनें। निश्चित ही यह भारत की समृद्धि एवं विश्व प्रतिष्ठा की दृष्टि से एक अनूठा उपक्रम हो सकता हैं, लेकिन प्रश्न भारतीय छात्रों का है, उनकी शिक्षा से जुड़ी समस्याओं का है। महंगी होती शिक्षा आम जनजीवन से दूर होती जा रही है, ऐसे में भारतीय छात्रों की सूध कौन लेगा?

शिक्षा पर लंबे-लंबे भाषण देने वाले राजनेता, शिक्षाविद, अधिकारी और मंत्री भी देश की इन स्थितियों से परिचित हैं। बसों में मूंगफली बेचते हुए, स्टेशनों पर भीख मांगते हुए, चौराहों पर भुट्टा भूजते हुए, फैक्ट्रियों में बिसलरी की बोतलों में पानी भरते हुए, सड़क के किनारे टाट पर सब्जी बेचते या चाट का ढेला लगाते हुए इन बच्चों को कौन नहीं देखता है। ऐसा इन्हें क्यों करना पड़ता है? यह जानने की कोशिश कितने लोग करते हैं? रिक्शा, ऑटोरिक्शा, बस चलाने वाले ड्राइवरों के पीछे की भी कहानी ऐसी ही होती है। नीति-नियंता लोग अपने निजी ड्राइवर, नौकर या कामवाली बाई की पारिवारिक स्थिति के बारे भी विचार कर लेते तो भी इस तरह की स्थितियों के बारे में बहुत कुछ आसानी से समझ लेते। कहीं-कहीं ये भी देखने को मिलता है कि जिन बच्चों की खिलौनों से खेलने की उम्र होती है वही बच्चे मेला, हाट-बाजार में खिलौना बेचते हुए मिलते हैं। किताबों से तो उनका दूर-दूर तक कोई वास्ता नहीं होता। फिर विकास के सुनहरे सपने उन्हें कैसे दिखाई दे सकता है? इन स्थितियों में कैसे नया भारत-सशक्त भारत आकार ले सकेगा?

आइआइटी, एनआइटी और आइआइएसईआर, आइआइएम, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जेएनयू, बीएचयू जैसे विश्वविद्यालयों में भले ही फीस कुछ कम है, लेकिन यहां तक पहुंचने की प्रक्रिया बहुत जटिल एवं प्रतिस्पर्धापूर्ण है। बच्चे संघर्ष करके वहाँ तक पहुँच जाते हैं और पढ़ाई आसानी से कर लेते हैं। किंतु अब वहां की भी फीस बढ़ाने की कवायद तेजी से होने लगी है। तमाम सरकारी प्रयासों एवं योजनाओं के शिक्षा महंगी होती जा रही है, तो देश का निम्न एवं मजदूर वर्ग यह सोचने को मजबूर है कि वह अपने बच्चों की पढ़ाई की व्यवस्था कैसे करे। निजी कॉलेजों में तो इतना अधिक पैसा लगता है कि मध्य वर्ग के भी कान खड़े हो जाते हैं, तो फिर निम्न वर्ग की बात ही क्या?

यहां बात सिर्फ शिक्षा तक ही सीमित नहीं रह जाती। शिक्षा के साथ एक और विषय है जिस पर ध्यान देने की जरूरत है। वह है, चिकित्सा। जिस तरह गुणवत्ता के मामले में भारत के विश्वविद्यालय पिछड़े हुए हैं, उसी तरह की छवि भारत के अस्पतालों की है। मतलब साफ है कि अच्छी पढ़ाई हो या बेहतर इलाज, जेब में पैसा हो तो पकड़ो विदेश की राह। गंभीर सवाल यह है कि जिसकी जेब में पैसा नहीं है, वह क्या करे? क्या उसे अच्छी पढ़ाई या बेहतर इलाज कराने का हक नहीं है? नए साल में हमें, हमारी सरकारों और इन क्षेत्रों से जुड़े विशेषज्ञों को इन्हीं सवालों के जवाब ढूंढने चाहिए।

हमने जीवन के हर क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल की हैं तो फिर शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र भला अछूते क्यों रहें? जब हम देश के लोगों को ही समुचित शिक्षा नहीं दे पा रहे हैं तो विदेशों के लिये दरवाजें खोलना एवं उन पर सरकार की बड़ी शक्ति का खर्च होना कैसे औचित्यपूर्ण हो सकता है? एक ऐसे देश में जहां वंचित समूह पहले से ही अपनी भावी पीढ़ी को शिक्षित बनाने के लिए कठिन परीक्षाओं के दौर से गुजर रहा हो, निजी स्कूलों व अस्पतालों की संवेदनहीनता एवं अर्थ लोलुपता से सामाजिक असंतोष एवं विद्रोह के स्वर उभरते रहे हैं।

शिक्षा एवं चिकित्सा की भांति पर्यावरण के प्रति उपेक्षा भी अनेक समस्याओं का कारण है। भारत में ग्लोबल तापमान के चलते होने वाला विस्थापन अनुमान से कहीं अधिक है। मौसम का मिजाज बदलने के साथ देश के अलग-अलग हिस्सों में प्राथमिक आपदाओं की तीव्रता आई हुई है। हिमाचल प्रदेश में बाढ़ हो या सिलक्यारा में सुरंग हादसा- भारत में पर्यावरण समस्या को नजरअंदाज करने के परिणाम है।

भारत में जलवायु परिवर्तन पर इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फार एनवायरमेंट एंड डवलपमेंट की जारी की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि बाढ़-सूखे के चलते फसलों की तबाही और चक्रवातों के कारण मछली पालन में गिरावट आ रही है। देश के भीतर भू-स्खलन से अनेक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। भू-स्खलन उत्तराखंड एवं हिमाचल जैसे दो राज्यों तक सीमित नहीं बल्कि केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, सिक्किम और पश्चिम बंगाल की पहाड़ियों में भी भारी वर्षा, बाढ़ और भूस्खलन के चलते लोगों की जानें गई हैं, इन प्राकृतिक आपदाओं के शिकार गरीब ही अधिक होते हैं, गरीब लोग प्राथमिक विपदाओं का दंश नहीं झेल रहे और अपनी जमीनों से उखड़ रहे हैं। महानगर और घनी आबादी वाले शहर गंभीर प्रदूषण के शिकार हैं, जहां जीवन जटिल से जटिलतर होता जा रहा है।

टाईम पास

ब्लैक होल का रहस्य

नब्बे के दशक तक भारत को उपग्रह प्रक्षेपण के मामले में भी दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़ता था, अब वह न केवल इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर हुआ है, बल्कि दुनिया के उपग्रह प्रक्षेपण के बाजार में विकसित देशों से होड़ कर रहा है।

सौरमंडल के सारे ग्रह गुरुत्वाकर्षण बल के जरिए ही परस्पर जुड़े, एक-दूसरे को संतुलित करते हुए गतिमान हैं।

ब्रह्मांड से जुड़े अनेक तथ्य आज भी अवधारणाओं तक सीमित हैं। वैज्ञानिक खोजों के जरिए उन पर से पर्दा हटाना अब भी एक बड़ी चुनौती है। कृष्ण विवर यानी ब्लैक होल भी एक ऐसा ही रहस्य है। वैज्ञानिकों का मानना है कि जब भी कोई तारा अपने भीतर सिकुड़ जाता है तो कृष्ण विवर में परिवर्तित हो जाता है। उस खाली जगह का गुरुत्वाकर्षण इतना तीव्र होता है कि वह आसपास के तारों को भी अपने भीतर खींच लेता है। इस तरह उनका द्रव्यमान भी उसी में समाहित हो जाता है।

अवधारणा है कि अरबों वर्ष बाद सूर्य भी एक कृष्ण विवर में परिवर्तित होकर दूसरे तारों को अपने मं समाहित करना शुरू कर देगा। माना जाता है कि इसी तरह एक दिन सारे ग्रह ब्लैक होल में समा जाएंगे। मगर अभी तक किसी कृष्ण विवर की विश्वसनीय तस्वीर सामने नहीं आ सकी है। जो भी तस्वीरें उपलब्ध हैं, वे वैज्ञानिकों की कल्पना पर ही आधारित हैं। अब इस रहस्य पर से पर्दा उठाने के मकसद से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो ने एक्स-रे पोलरिमीटर यानी एक्सपोसैट का प्रक्षेपण किया है। इससे अंतरिक्ष में एक ऐसी वेधशाला स्थापित की जाएगी, जो विशेष रूप से कृष्ण विवर का ही अध्ययन करेगी।

हालांकि इससे पहले कृष्ण विवर के अध्ययन के लिए अमेरिकी अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र नासा अपनी एक वेधशाला स्थापित कर चुका है। मगर उसकी उम्र केवल दो साल की थी, जो अब समाप्त होने को है। भारतीय एक्सपोसैट के पांच साल तक काम करने का अनुमान है। इस तरह यह वेधशाला अधिक समय तक अंतरिक्ष में रह कर ब्लैक होल का पता लगाने और उससे जुड़े तथ्य जुटा पाने में सक्षम होगा।

भारत पहले ही चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान तृतीय की 'साफ्ट लैंडिंग' करा कर और सूर्य का अध्ययन करने के उद्देश्य से आदित्य एल-1 का प्रक्षेपण कर अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों का परचम लहरा चुका है। एक्सपोसैट का प्रक्षेपण कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। अगर इस अभियान में इसरो कृष्ण विवर से जुड़े रहस्यों पर से पर्दा उठाने में कामयाब रहता है, तो निस्संदेह यह दुनिया के अंतरिक्ष अनुसंधान में बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। नब्बे के दशक तक भारत को उपग्रह प्रक्षेपण के मामले में भी दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़ता था, अब वह न केवल इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर हुआ है, बल्कि दुनिया के उपग्रह प्रक्षेपण के बाजार में विकसित देशों से होड़ कर रहा है।

अब वह अपने बूते बहुत कम लागत में उपग्रह निर्माण कर अनुसंधान के लिए भी भेजना शुरू कर चुका है। एक्सपोसैट उसी की अगली कड़ी है। दरअसल, ब्रह्मांडीय विचलनों के चलते पृथ्वी ग्रह पर जीवन को लेकर अनेक चुनौतियां पैदा होने लगी हैं। चूंकि सौरमंडल के सारे ग्रह गुरुत्वाकर्षण बल के जरिए ही परस्पर जुड़े, एक-दूसरे को संतुलित करते हुए गतिमान हैं, इसलिए मंदाकिनी के तारों का अचानक लुप्त होना और अपने पीछे एक ब्लैक होल छोड़ जाना सौरमंडल के लिए खतरे का संकेत है।

इनका द्रव्यमान इतना सघन और गुरुत्वाकर्षण इतना तीव्र होता है कि प्रकाश की किरणें भी उनके पार नहीं जा पातीं। वे उन्हें अवशोषित कर लेते हैं। इनका अध्ययन उन उपायों की तलाश का रास्ता भी खोलेगा, जिनसे कृष्ण विवर के खतरों से पार पाया जा सके। एक्सपोसैट पचास संभावित ब्रह्मांडीय स्त्रोतों से निकलने वाली ऊर्जा का पता लगा सकेगा। इसके अध्ययन से मानव जीवन के बहुत सारे रहस्यों पर से भी पर्दा उठ सकेगा।

काकुरो पहेली - 3053

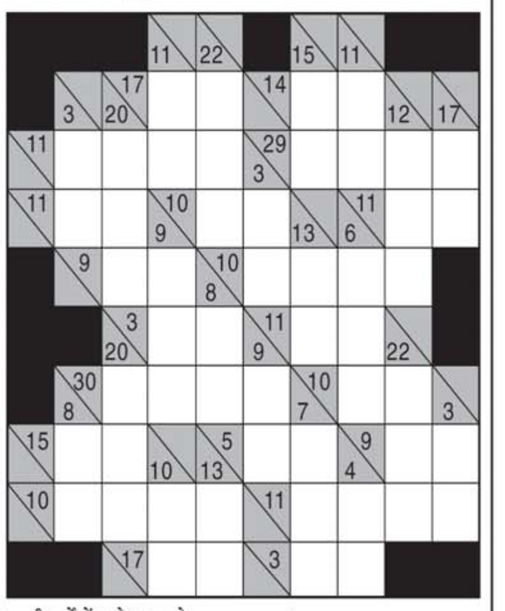

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

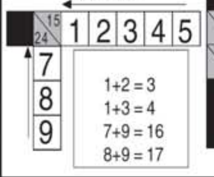

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3052 का हल

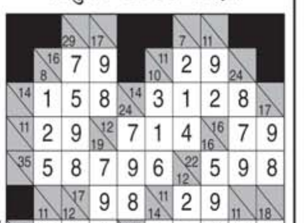

लॉफिंग ज़ोन

कई युवतियों को तंग कर चुका एक युवा अपने कॉलेज के लाइब्रेरियन के पास पहुँचा और बोला- क्या आप मुझे आत्महत्या पर कोई किताब दे सकते हैं। मैं शीघ्र ही आपको वापस कर दूँगा।

लाइब्रेरियन- नहीं दे सकता, आप लौटाएँगे नहीं।

□ □ □

एक व्यापारी को दूसरे व्यापारी से पैसे लेने थे, लेकिन पहले व्यापारी के बार-बार माँगने के बावजूद उसे पैसे नहीं मिल रहे थे। हार कर उसने दूसरे व्यापारी को एक पत्र भेजा। साथ में अपनी बेटी का फोटो भी भेजा।

पत्र में लिखा था- मुझे इस बच्ची की खातिर पैसे चाहिए।

□ □ □

एक खूबसूरत युवती डॉक्टर के पास गई और बोली- डॉक्टर साहब! मेरी स्कीन बहुत ही सेनसेटिव है। मेरी स्कीन हमेशा गोरी-गोरी रहे इसके लिए मुझे क्या करना चाहिए?

डॉक्टर साहब- अपने दरवाजे की कुंडी हमेशा लगाकर रखनी चाहिए।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3053

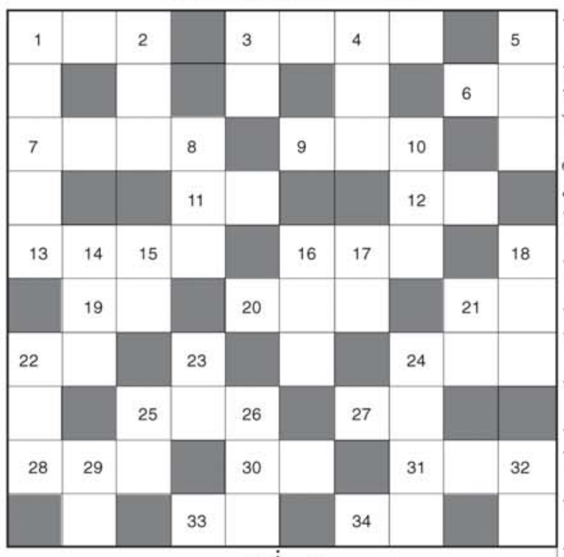

ऊपर से नीचे:-

१. 'लगे रहो मुन्ना भाई' में संजयदत्त के साथ नायिका कौन है-२,३
२. सैफ अली खान, काजोल की फिल्म-३
३. 'देखो देखो जानम' गीत वाली फिल्म-२
४. दिलीपकुमार, संजयदत्त, पद्मिनी की 'हाथों की चंद' गीत वाली फिल्म-३
५. अजय देवगन, आयशाटकिया की फिल्म-३
८. 'मेहंदी लाया साजन' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'इश्क पे मत इल्जाम लगाना' गीत वाली ऋषिकपूर, फरहा की फिल्म-३
१४. अजय देवगन अभिषेक, बिपाशा की 'तेरे संग एक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'विक्टोरिया नं. २०३' में प्राण का नाम-२
१६. देवानंद, मधुबाला की 'सावन के महीने में एक' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'रेशम जैसा रंग देखो' गीत वाली गोविंदा, सोनम की फिल्म-२
१८. राजेंद्रकुमार, कामिनी की फिल्म-३
२१. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानवी की फिल्म-२
२२. बॉबी, करिश्मा की 'तुम क्या जानो दिल करता' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'घातक' में सनी का नाम क्या था-२
२४. अजय देवगन, जूही चावला की 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'हम तो दिल से' गीत वाली फिल्म-२
२६. विनोद खन्ना, डिम्पल की फिल्म-३
२९. 'धीमी धीमी सी' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'ओ डार्लिंग ये है इंडिया' में 'मिस इंडिया' कौन बनी है-२

बायें से दायें:-

१. शाहिद कपूर, अमृता राव की फिल्म-३
३. शाहिद कपूर और अमृता राव की जोड़ी वाली पहली फिल्म कौन सी थी-२,२
६. सनी, प्रीति की 'तुझे देखा तो दिल मेरा डोल गया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'वो लड़की जो सबसे अलग है' गीत वाली फिल्म-४
९. शत्रुघ्न सिन्हा, शर्मिला की फिल्म-३
११. 'तू प्यार का सागर है तेरी' गीत वाली बलराज, नूतन की फिल्म-२
१२. अजय, जॉन, लारा, ईशा की फिल्म-२
१३. 'इससे पहले कि याद' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१६. भारतभूषण, नूतन की फिल्म-३
१९. फिल्म 'ईना मीना डीका' में जूही का नाम क्या है-२
२०. मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीतवाली फिल्म-३
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-२
२२. दिलीपकुमार, निम्मी की 'खेलो रंग हमारे संग' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२५. सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली ऋतिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
२८. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दो परदेसी अनजाने' गीतवाली फिल्म-३
३०. 'अंखियां ये अंखियां' गीत वाली दिलीप कुमार, रेखा की फिल्म-२
३१. दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३३. अमिताभ-जीनत अमान की हिट फिल्म की शहरूख, प्रियंका स्टारर रीमेक-२
३४. 'ये दौलत भी लेलो' गीतवाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3052

सूडोकु -3053

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3052 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्द पहेली - 3053

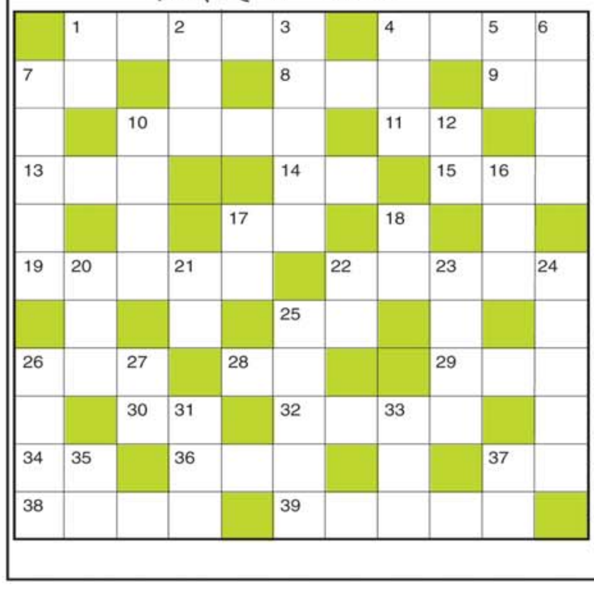

बाएँ से दाएँ

1.पावर हाऊस -5
4.दिमागी,कल्पित-4
7.हृदय-2
8.खोदना-3
9.प्रचार वाक्य,स्लोगन-2
10.नुकीला-4
11.कलिका-2
13.प्यारा,लाडला-3
14.विशिष्ट,विशेष-2
15.खर्च,उपभोग-3
17.नौका-2
19.नाम करण-2,3
22.चमकीला-5
25.महोदय (अंग्रेजी-2)
26.रनिवास,जनवासा-3
28.संध्या,सांझ-2
29.दलना,महीन करना-3
30.जस,सम्मान -2
32.कारागृह-4
34.आलाप,लय,सुर-2
36.पागल स्त्री-3
37.इंकार,मना-2
38.सराबोर,सना हुआ -4
39.वेश्या,तवायफ-5

ऊपर से नीचे

1.चूहे का घर-2
2.नेता-3
3.सार-संभार-2,3
4.आदर्श,कसौटी-3
5.छाती-2
6.अचरज भरा कार्य-4
7.हृदय को ठेस लगना-5
10.अनवरत वर्षा-4
12.जूं का अंडा-2
16.ओट,घूंघट-3
17.मां के पिता-2
18.दुख,कष्ट-2
20.राष्ट्रीय पक्षी-3
21.पत्र,लैटर-2
22.गुप्तचर,दूत-2
23.कपड़ों के टुकड़े (अंग्रेजी-4)
24.रवानगी, प्रस्थान करना-3,2
25.समयुगीन,समवर्ती-5
26.बंद,स्ट्राइक-4
27.सुरा,शराब-2
31.वचन,प्रतिज्ञा-3
33.बंदर-3
35.नथनी,नथिया-2
37.शहद-2

शब्द पहेली -3052 का हल

स्क्रैप माफिया रवि काना समेत 16 पर गैंगस्टर

दो महिलाएं भी शामिल, गैंगरेप में आरोपी है रवि, जल्द होगी गिरफ्तारी

नोएडा। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में आपराधिक वारदातों को अंजाम देकर जनता में भय पैदा करने वाले स्क्रैप माफिया रवि नागर उर्फ रवि काना समेत उसके गैंग के 16 सदस्यों पर गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की गई है। नया साल शुरू होते ही नोएडा कमिश्नरेट पुलिस द्वारा की गई इस कार्रवाई को बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है। रवि की पत्नी मधु पर भी यह कार्रवाई की गई है। बता दे रवि गैंग रेप का अरोपी भी है। इसके तीन साथियों को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस टीम दबिश दे रही है।
पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, रवि नागर उर्फ रवि काना ने अपने साथियों के साथ मिलकर एक गैंग बना लिया और अपने अनुचित भौतिक व आर्थिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए सरिया व स्क्रैप के कारोबार में लंबे समय से सक्रिय है। उक्त गैंग के सदस्यों द्वारा विभिन्न निर्माणाधीन साइटों पर जाने वाले सरिया के ट्रकों को रोककर चालक से मिलीभगत करके सरिया उतरवा लेते हैं।
रवि काना साइटों के मैनेजर को डरा धमकाकर स्टाक बुक में पूरा वजन अंकित कराते हैं। इसके बाद उतारे गए सरिया को बाजार भाव से अधिक दामों पर बेचकर अनुचित मुनाफा कमाते हैं। आरोप है कि गैंग लीडर विभिन्न प्रतिष्ठानों से निकलने वाले स्क्रैप का ठेका भी कंपनियों के मालिकों को डरा धमकाकर अपने गैंग के सदस्यों के नाम पर करा लेता है।

इन पर लगाई गई गैंगस्टर

रविंद्र सिंह उर्फ रवि काना पुत्र यतेंद्र निवासी दादूपुर, दनकौर, ग्रेटर नोएडा।
राजकुमार नागर पुत्र बलराज निवासी ग्राम दादूपुर, दनकौर, ग्रेटर नोएडा।
तरुण छोंकर पुत्र स्व. बिजेंद्र निवासी सरायथला सोहना गुरुग्राम हरियाणा।
अमन पुत्र राजेश निवासी सी 93 ओमीक्रोन 1 कासना, ग्रेटर नोएडा
विशाल पुत्र वीरेंद्र निवासी कासना, ग्रेटर नोएडा।
अवध उर्फ बिहारी उर्फ अमर सिंह निवासी पुत्र राजकुमार निवासी दादूपुर, दनकौर, ग्रेटर नोएडा।
महकी नागर उर्फ महकार पुत्र जगमाल नागर निवासी दादुपुर, दनकौर, ग्रेटर नोएडा।
अनिल पुत्र मनसा राम निवासी दादूपुर, दनकौर, ग्रेटर नोएडा।
विक्की पुत्र नानक चंद निवासी सलारपुर जारचा, ग्रेटर नोएडा।
अफसार पुत्र मकसूद निवासी लोहला अगौता, बुलंदशहर।
राशिद अली पुत्र शकील निवासी कपूरपुर, धौलाना, हापुड़।
आजाद नागर पुत्र धर्मवीर निवासी दादूपुर, दनकौर, ग्रेटर नोएडा।
प्रहलाद पुत्र अंतराम बड़ा गांव कमतरी, आगरा।
विकास नागर पुत्र सतपाल नागर निवासी दादूपुर, दनकौर, ग्रेटर नोएडा।
कुमारी काजल झा पुत्री सुनील कुमार निवासी न्यू फ्रेंडस कालोनी, नई दिल्ली।
मुध पत्नी रवि नागर निवासी दादूपुर, दनकौर, ग्रेटर नोएडा।

बेनामी कंपनियों के नाम पर छीने जाते हैं टेंडर

बीटा-2 थाना प्रभारी निरीक्षक मुनेंद्र सिंह द्वारा दर्ज कराए गए केस में कहा गया है कि ये गिरोह जिले की विभिन्न निर्माणाधीन साइटों पर जाने वाले सरिये के ट्रकों को रोककर चालक से मिलीभगत कर सरिया उतरवा लेते हैं। रवि नागर उर्फ रविन्द्र सिंह उर्फ रवि काना साइट के मैनेजर को डरा धमकाकर स्टाक बुक में पूरा वजन अंकित कराते हैं। उतारे गए सरिया को बाजार भाव से व्यापारियों को बेचकर गिरोह के लिये अनुचित आर्थिक लाभ प्राप्त करते हैं। इसी प्रकार विभिन्न व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से निकलने वाले स्क्रैप का ठेका भी गिरोह लेता है।गिरोह कंपनी और प्रतिष्ठान के मालिकों को डरा धमकाकर मनचाही दर पर खरीदकर कारोबारियों व उद्योगपतियों को आर्थिक क्षति पहुंचाते हैं।

तीन साल गिरोह की कंपनी ने की 97 फीसदी की वृद्धि

गैंग लीडर रवि नागर और उसके गिरोह के सदस्य स्क्रैप टेंडर को अपनी कम्पनी तथा अपने सहयोगियों की बेनामी कम्पनियों के नाम बाजार रेट का 1 से 10 प्रतिशत यानि अत्यंत न्यूनतम दर पर प्राप्त कर टेंडर छीन लेता हैं। गिरोह दूसरे कारोबारियों कम्पनी के टेंडर नहीं डालने देता। गिरोह की कम्पनी प्राइम प्रेसिंग टूल्स प्राइवेट लि. ने पिछले 03 वर्षों में 97 प्रतिशत की दर से अवैध तरीके से वृद्धि की है।

नोएडा प्राधिकरण के बाहर किसानों ने किया हवन

आश्वासन के बाद माने किसान, 5 को एनटीपीसी में करेंगे तालाबंदी

नोएडा। मांगों को लेकर मंगलवार नोएडा प्राधिकरण पर किसानों ने हवन पूजन शुरू कर दिया है। साथ ही धीरे-धीरे करीब 105 गांव के किसान पहुंच गए। किसानों ने तालाबंदी नहीं की। पुलिस प्रशासन के साथ हुई बैठक में पुलिस प्रशासन ने अश्वासन दिया। कि आपकी सभी मांगों को लेकर लखनऊ स्तर पर बैठक की जाएगी। इसलिए भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखवीर खलीफा ने 10 जनवरी तक का समय दिया गया है।
सुखबीर खलीफा ने बताया कि 10त्न विकसित भूखंड को लेकर तीन से चार दिन के अंदर लखनऊ में वार्ता होगी। इसके अलावा आबादी जैसी है वैसी छोड़ी जाए। को लेकर भी वार्ता की जाएगी इस दौरान लगातार प्राधिकरण पर धरना जारी रहेगा वहीं 5 जनवरी को एनटीपीसी का घिराव और तालाबंदी की जाएगी।
किसानों ने पहले ही 2 जनवरी को प्राधिकरण पर संपूर्ण तालाबंदी का ऐलान किया था। इससे प्राधिकरण-पुलिस अधिकारी सकते में हैं। इसी क्रम में किसानों को मनाने के लिए नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ संजय खत्री, डीसीपी हरीश चंदर, एडीसीपी मनीष मिश्रा, एसीपी रजनीश वर्मा धरना स्थल पर पहुंचे। यहां किसानों-अधिकारियों के बीच करीब एक घंटे तक बातचीत हुई। अधिकारियों ने किसानों से कहा कि उनकी मांगों को पूरा कराने के लिए जल्द औद्योगिक विकास आयुक्त से बातचीत कराई जाएगी। लेकिन किसान सहमत नहीं हुए।
किसानों ने कहा कि हर हाल में प्राधिकरण पर संपूर्ण तालाबंदी की जाएगी। वहीं दूसरी ओर सेक्टर-24 एनटीपीसी दफ्तर के सामने भी किसान सोमवार को धरने पर डटे रहे। यहां पर किसान 5 जनवरी को तालाबंदी करेंगे। भारतीय किसान परिषद के अध्यक्ष सुखबीर पहलवान ने कहा कि अधिकारियों ने औद्योगिक विकास आयुक्त से बात कराने का आश्वासन दिया लेकिन समय-सीमा नहीं बताई।

105 गांवों में जन संपर्क अभियान

प्राधिकरण की तालाबंदी के लिए आज 105 गांवों के किसान प्राधिकरण आएंगे।
यहां तालाबंदी की जाएगी। इसके बाद पंचायत होगी। पंचायत में ही आगे की रणनीति तय होगी। इस दौरान किसानों ने अलग-अलग समूह बनाए है। ये समूह अलग-अलग गेट पर बैठेंगे। ये तालाबंदी कितने दिनों ति रहेगी इसके संकेत नहीं दिए है। बता दे इससे पहले भी किसान प्राधिकरण की तालाबंदी कर चुके है। किसानों को जागरूक करने के लिए 105 गांवों में जन जागरण अभियान चलाया गया। इसके अलावा कई गांवों में कैंडल मार्च निकाला गया।

किसानों की ये है मांग

10 प्रतिशत भूखंड या उसके समतुल्य धनराशि दी जाए
आबादी विनियमितीकरण के तहत प्रति बालिग सदस्य 450 से बढ़ाकर एक हजार मीटर जमीन छोड़ी जाए
पांच प्रतिशत भूखंड में व्यवसायिक गतिविधि चलाने के लिए शुल्क तय नहीं
एनटीपीसी से प्रभावित 2200 किसान परिवारों को मुआवजा मिले
एनटीपीसी से प्रभावित 24 गांवों के किसानों को मिले समान दर से मुआवजा
क्षेत्र में स्कूल, कॉलेज, स्वास्थ्य केंद्रों का निर्माण

भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता से मिले किसान : सौंपा 6 सूत्रीय मांग पत्र

बोले हमे भी दी जाए 10 प्रतिशत जमीन और एक समान दर से मुआवजा

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर के 1976 से 1997 के किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने किसान एकता संघ के राष्ट्रीय संरक्षक चौधरी बाली सिंह के नेतृत्व में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल से छह सूत्रीय मांगों को लेकर मुलाकात की और ज्ञापन सौंपा। किसान एकता संघ के प्रदेश अध्यक्ष पंडित प्रमोद शर्मा ने सभी बिन्दुओं को विस्तारपूर्वक राष्ट्रीय प्रवक्ता को समझाया और निष्कर्ष पर बातचीत की।
किसानों के द्वारा दिए गए ज्ञापन में आबादी के लिए 10त्न विकसित भूमि दी जाने, वर्ष 1976 से नोएडा प्राधिकरण ने अलग-अलग गांव की कृषि योग्य भूमि का अधिग्रहण अलग-अलग दर से किया गया, उन सभी को एक समान नीति के तहत भेदभाव न रखते हुए 297 रुपए प्रति गज की दर से मुआवजा राशि वितरित किया जाए। किसानों पर आश्रित भूमिहीन को आवासीय भूखंड दिए जाए। नौकरी में किसानों को आरक्षण का लाभ, शिक्षण एवं स्वास्थ्य संस्थानों में किसानों को आरक्षण। सभी गांवों का आबादी निपटारा प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के तहत किया जाना जैसी महत्वपूर्ण मांगें थी। वार्ता में राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने कहा की सभी मांगों उच्च स्तर पर जल्द पहुंचाया जाएगा और जल्द से जल्द किसानों की सभी समस्या का निपटारा करवाने का आश्वासन दिया।

अधिकारियों ने टाउनशिप का किया निरीक्षण

गौतम बुद्ध नगर। नोएडा की कंपनी सिविटेक ने ग्रेटर नोएडा स्थित दिल्ली मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर की इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप (डीएमआईसी) में आवासीय व औद्योगिक क्षेत्र में निवेश की इच्छा जताई है। टाउनशिप में करीब 6 एकड़ आवासीय और 5 एकड़ औद्योगिक भूखंड के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार से संपर्क साधा। सीईओ के निर्देश पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी संतोष कुमार और आईआईटीजीएनएल के कंपनी सेक्रेटरी पतंजलि दीक्षित ने कंपनी के अधिकारियों के साथ मौके पर जाकर भूखंड दिखाए। कंपनी के अधिकारियों ने पूरी टाउनशिप का भ्रमण किया। कंपनी के अधिकारियों को टाउनशिप में प्लग एंड प्ले सिस्टम, ऑटोमेटेड वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट, 24 घंटे बिजली और पानी की सुविधा, सीसीटीवी सर्विलांस आदि के बारे में जानकारी प्रदान की गई। कंपनी की तरफ से जल्द ही औपचारिक प्रस्ताव दिए जाने की बात कही गई है। टाउनशिप के भ्रमण के दौरान कंपनी के अधिकारी काफी संतुष्ट नजर आए। प्राधिकरण के अधिकारियों का मानना है कि कंपनी के द्वारा जल्द ही निवेश किया जाएगा। जिससे यहां पर रोजगार बढ़ेंगे। गौरतलब है कि ग्रेटर नोएडा में लगातार निवेश बढ़ रहा है और निवेशक यहां निवेश करने की लगातार इच्छा जता रहे हैं।

फोनरवा चुनावों में 42 प्रत्याशियों के बीच होगा मुकाबला

7 जनवरी को होगा मतदान, 227 सदस्य करेंगे मतदान, उसी दिन जारी होगा परिणाम

नोएडा। फेडरेशन ऑफ नोएडा रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन यानी फोनरवा चुनाव 2024 के लिए मतदान 7 जनवरी को होगा। निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी सूचना के अनुसार, चुनावी रण से 17 लोगों ने अपना नाम वापस ले लिया है। चुनाव में दो पैनल योगेंद्र शर्मा-केके जैन और राजीव गर्ग-सुखदेव शर्मा की ओर से कुल 42 प्रत्याशी चुनावी मैदान में है। बता दें कि सेक्टर-61 आरडब्ल्यूए के महासचिव राजीव चौधरी निर्दलीय महासचिव पद पर अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं।
निर्वाचन अधिकारी शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि जिन प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पत्र वापस लिया है, उनमें उपाध्यक्ष पद के लिए दीपक शर्मा, सोमेन्द्र कुमार, रामपाल भाटी, प्रदीप मिश्रा, बलराज गोयल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए श्याम सिंह, सचिव पद के लिए विक्रांत बैसोया, जंगवीर सिंह, नन्द किशोर सोलंकी, पवन गोयल, प्रमोद गुप्ता, सह-सचिव पद के लिए दिलीप मिश्रा, ब्रहमपाल चौधरी, कुलदीप सिंह, अंजना भागी, कोषाध्यक्ष पद के लिए रामेश्वर शर्मा, सह कोषाध्यक्ष पद के लिए सोमपाल सिंह, जितेन्द्र सिंह तथा विधिक सचिव के लिए सुभाष भाटी के नाम शामिल हैं। उन्होंने बताया कि अब प्रत्याशियों की कुल संख्या 42 रह गई है।
फेडरेशन ऑफ नोएडा रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (फोनरवा) के 7 जनवरी 2024 को होने वाले चुनाव के लिए मतदाताओं की सूची का प्रकाशन हो चुका है। इसमें शामिल 227 सदस्य फोनरवा के 21 पदों के लिए वोट डालेंगे। मुख्य चुनाव अधिकारी और जिला समाज कल्याण अधिकारी गौतमबुद्ध नगर, शैलेंद्र बहादुर सिंह की निगरानी में यह चुनाव होगा। फोनरवा के अध्यक्ष, महासचिव, लीगल सचिव, कोषाध्यक्ष और सह-कोषाध्यक्ष के एक-एक पद और वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव के 4-4 पदों के लिए चुनाव होंगे।

शार्ट न्यूज

नर्सरी से कक्षा 8 तक के स्कूल 6 जनवरी तक बंद

नोएडा। नोएडा में कड़ाके की ठंड और शीत लहर के चलते सभी बोर्ड के नर्सरी से लेकर कक्षा आठ तक के स्कूल 6 जनवरी तक बंद कर दिए गए है। जिला अधिकारी के निर्देश पर जिला बेसिक अधिकारी ने ये सूचना जारी की। दरअसल पहले स्कूलों में दो जनवरी तक छुट्टी थी। लेकिन बीते कुछ दिनों से मौसम में तेजी बदलाव आया और तेज ठंड हो रही है। इस कारण ये निर्णय लिया गया। यही नहीं निर्देश का पालन नहीं करने वाले स्कूलों पर सख्त एक्शन भी लिया जाएगा। नोएडा में आगामी 8 जनवरी तक तेज ठंड पड़ने के आसार है। अधिकतम तापमान 18 से 20 और न्यूनतम तापमान 9 से 10 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है। इसके अलावा वातावरण में कोहरा और धूल की अधिकता रहेगी। इसके अलावा ठंडी हवा चलेगी। आंशिक धूप निकल सकती है। ऐसे में बच्चों का घर से बाहर निकला उनकी सेहत के साथ खिलवाड़ है। लिहाजा स्कूल बंद करने का निर्णय लिया गया है। वहीं वातावरण में नमी की मात्रा 80 प्रतिशत और हवा की रफ्तार 3 किमी प्रतिघंटा रिकार्ड की गई।

स्कूल वैन और बसों में सीसीटीवी का आदेश

गाजियाबाद। गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन ने स्कूल वैन और बसो में सीसीटीवी कैमरे लगाने के फैसले का स्वागत किया। साथ ही कहा बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले स्कूली वाहनों पर हो सख्त कार्यवाई। यूपी सरकार ने आदेश जारी करके स्कूल वैन और बसों में सीसीटीवी लगाना अनिवार्य कर दिया है। गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष सीमा त्यागी ने बताया कि प्रदेश सरकार में स्कूल वैन और बसों में अनिवार्य रूप से सीसीटीवी कैमरे लगाने का फैसला छात्रों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। स्कूल मैनेजमेंट और वैन मालिको को 3 माह के अंदर सीसीटीवी कैमरे लगवाने होंगे। सीमा त्यागी ने कहा कि जहाँ स्कूल वैन और बसों में सीसीटीवी लगने से बच्चों की सुरक्षा बढ़ेगी। वहीं स्कूल वैन की निगरानी भी हो सकेगी। साथ ही बच्चों के साथ होने वाली अप्रिय घटनाओं पर भी अंकुश लगेगा। सीमा त्यागी के मुताबिक उत्तर प्रदेश मोटर वाहन नियम, 1998 में कहा गया है कि बसों और वैन को पीले रंग से रंगा जाना चाहिए। स्कूल बस शब्द को आगे और पीछे दोनों तरफ लिखा जाना चाहिए।

युवक की फॉर्च्यूनर से कुचलकर हत्या

गाजियाबाद। गाजियाबाद में जनसेवा केंद्र संचालक की फॉर्च्यूनर से कुचलकर हत्या कर दी गई। 2 दिन यानी 31 दिसंबर को पहले जनसेवा केंद्र संचालक दोस्त के साथ होंडा सिटी कार से चाऊमीन खाने अग्रसेन पार्क गया था। इसी दौरान उसका कार पार्किंग को लेकर फॉर्च्यूनर सवार लोगों से झगड़ा हो गया। युवक ने इसकी सूचना पुलिस को दे दी। थोड़ी देर में पुलिसवाले आ गए। पुलिस को आता देखकर आरोपी मौके से फरार हो गए। लेकिन कुछ देर बाद आरोपी फिर से आए। उन्होंने फॉर्च्यूनर से कूचलकर युवक को मार डाला और फरार हो गए। शुरुआत में पुलिस हादसा मान रही थी। मगर पुलिस ने सीसीटीवी देखा, तो पता चला कि युवक की हत्या की गई है। इसके बाद पुलिस ने सोमवार को 5 लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया। इसके साथ ही मुख्य आरोपी राहुल को गिरफ्तार कर लिया है। पूरा कस्बा मोदीनगर का है। मृतक युवक का नाम अनुपम श्रीवास्तव (32) है। वो हरमुखी कॉलोनी के रहने वाले थे। अनुपम जनसेवा केंद्र चलाते थे।

पिटाई से हुई थी हेड कांस्टेबल की मौत

गाजियाबाद। गाजियाबाद में 30 दिसंबर को हुई दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल रामवीर सिंह की मौत की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आ गई है। रिपोर्ट में मृतक के शरीर पर चोटों के कई निशान पाए गए हैं। इस आधार पर पुलिस ने मृतक की पत्नी, बेटी, ससुर, साले समेत कई अन्य लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। 45 वर्षीय रामवीर सिंह हरिद्वार जिले में मंगलौर थाना क्षेत्र स्थित गांव खेड़ा जाट के रहने वाले थे। वर्तमान में वे बतौर हेड कांस्टेबल दिल्ली पुलिस लाइन में तैनात थे। रामवीर सिंह पत्नी और बेटी के साथ गाजियाबाद के साहिबाबाद क्षेत्र में करहैड़ा गांव में एक मकान में रहते थे। 30 दिसंबर को पत्नी व अन्य परिजनों ने रामवीर को नोएडा के फोर्टिस हॉस्पिटल में घायल अवस्था में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। रामवीर के पिता राजपाल सिंह ने बताया, मेरा बेटा शराब पीने का आदी था। इसे लेकर उसके घर में अक्सर विवाद होता था। इस विवाद के चलते रामवीर अपने गांव चला गया था। 28 दिसंबर को ही मैं उसे गाजियाबाद छोड़कर गया था।

फायरिंग करने के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। कार में टक्कर मारने के बाद एक व्यक्ति पर फायरिंग करने वाले तीन आरोपियों को सेक्टर-113 पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार किया। मामले में वांछित एक अन्य आरोपी अभी फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं।थाना प्रभारी ने बताया कि बरौला गांव में रहने वाले भागेंद्र का पड़ोसी सचिन और उसके परिवार से लंबे समय से किसी बात को लेकर झगड़ा चल रहा है। रविवार रात को सचिन और उसके साथियों ने भागेंद्र के भांजे विक्की के साथ मारपीट की। भागेंद्र ने इसकी शिकायत थाना सेक्टर-49 पुलिस से की। इससे गुस्साए सचिन ने साथी प्रिंस, सिद्धू उर्फ सिद्धार्थ और एक अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर विक्की की कार को हनुमान मंदिर के पास ओवरटेक का रुकवा लिया। विक्की के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने विक्की की कार पर दिनदहाड़े फायरिंग शुरू कर दी। किसी तरह विक्की ने भागकर जान बचाई। भागेंद्र की शिकायत पर पुलिस ने इस मामले में प्रिंस, सचिन, सिद्धू उर्फ सिद्धार्थ को गिरफ्तार किया।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर 22 को हल्ला बोलेंगे किसान

आंदोलन में शामिल होने के लिए गांव-गांव जाकर लोगों से की पंचायत में आने की अपील

गौतम बुद्ध नगर। अखिल भारतीय किसान सभा के नेतृत्व में किसान 22 जनवरी को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर हल्ला बोलेंगे। इसको लेकर किसानों ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है और किसान सभा के कार्यकर्ता गांव जाकर लोगों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में प्राधिकरण पर पहुंचने की अपील कर रहे हैं।
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ होने वाले प्रदर्शन के लिए अखिल भारतीय किसान सभा आज घोड़ी गांव के ऐतिहासिक मंदिर के प्रांगण में बड़ी संख्या में पंचायत की और सभी लोगों से प्राधिकरण के खिलाफ 22 जनवरी को होने वाले धरना प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की।
पंचायत को संबोधित करते हुए किसान सभा के जिला महासचिव जगबीर नंबरदार ने कहा कि यदि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण 21 जनवरी तक किसानों के 10त्न प्लॉट को शासन से मंजूर नहीं कराता है तो 22 जनवरी से क्षेत्र के किसान पुन: अपने धरने को उसी स्थान पर अनिश्चित काल के लिए शुरू कर देंगे। उन्होंने बताया कि आंदोलन की तैयारी के लिए हमने गांव-गांव जाकर पंचायत कर लोगों से अपील करने के कार्यक्रम शुरू कर दिए हैं। गांव-गांव पंचायत के कार्यक्रम की शुरुआत आज घोड़ी गांव से की गई।

गांव कमेटियों का किया गया गठन

किसान सभा के संयोजक वीर सिंह नागर ने बताया कि किसान सभा की सदस्यता 1 जनवरी से विधिवत रूप से शुरू कर दी गई है। 2024 के लिए किसान सभा के सदस्यता गांव गांव जाकर की जाएगी व गांव में गांव कमेटियों का गठन किया जाएगा। हम अपने संगठन के विस्तार के लिए गांव में पंचायत कर सदस्यता कैंप लगाएंगे और गांव कमेटियों का गठन कर अपने संगठन को मजबूत करेंगे।

किसानों का प्रवेश कराया जाएगा फ्री

किसान सभा के जिला उपाध्यक्ष अजब सिंह नेताजी ने बताया कि किसानों को टोल की समस्या बहुत आती है क्योंकि किसान यहां के मूल निवासी हैं और उनको यहां के टोल नाको पर आवागमन की छूट मिलनी चाहिए, लेकिन स्थानीय किसानों को भी टोल को लेकर परेशान किया जाता है। हमारे किसान सभा ने बीड़ा उठाया है कि क्षेत्र के सभी टोल पर किसानों को छूट मिलेगी। इसी कड़ी में आगामी 10 जनवरी को जेवर टोल पर किसानों के फ्री प्रवेश के लिए धरना प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में महिला पुरुष व युवा भाग लेंगे और हर सूरत में किसानों का प्रवेश फ्री कराया जाएगा।

ग्रेनो प्राधिकरण ने 28 और बिल्डरों को भेजा नोटिस

एसटीपी नहीं तो लगेगा जुर्माना मानकों के अनुरूप निर्माण व संचालन न होने पर होगी कड़ी कार्रवाई

गौतम बुद्ध नगर। सोसाइटी के सीवर को शोधित करने के लिए मानकों के अनरूप एसटीपी (सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट) का निर्माण व संचालन न करने वाले 28 और बिल्डर सोसाइटियों को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने नोटिस जारी किया है।
प्राधिकरण ने एक सप्ताह में स्पष्टीकरण मांगा है। संतोषजनक जवाब न मिलने पर लीज डीड की शर्तों के अनुरूप कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। इससे पहले प्राधिकरण ने 37 बिल्डर सोसाइटियों के लिए नोटिस जारी किए थे।
ग्रेटर नोएडा की अलग-अलग सोसाइटी के निवासियों ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार से शिकायतों की थी कि एसटीपी से शोधित किए बिना ही सीवरेज को नाले में बहाया जा रहा है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सर्वे में भी कई सोसाइटियों में बने एसटीपी मानकों के अनुरूप नहीं मिले।

37 बिल्डरों को नोटिस किया गया था जारी

इनमें से कुछ एसटीपी मानकों के अनुरूप के अनुरूप बने नहीं हैं और कुछ का संचालन ठीक से नहीं हो रहा, जिसके चलते ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ आशुतोष द्विवेदी के निर्देश पर सीवर विभाग की तरफ से पूर्व में 37 बिल्डरों को नोटिस जारी किया गया था।
अब 28 और बिल्डर सोसाइटियों के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। नोटिस में प्राधिकरण ने एक सप्ताह में स्पष्टीकरण मांगा है। संतोषजनक जवाब न मिलने पर लीज डीड की शर्तों के अनुरूप कार्रवाई करने की चेतावनी दी है।एसीईओ आशुतोष द्विवेदी ने कहा कि जिन बिल्डरों ने अपने रिहायशी प्रोजेक्ट में एसटीपी नहीं बनाए हैं, वे एसटीपी बनाकर शीघ्र चालू करें। जिन सोसाइटियों में बने हैं वे उनको नियमित रूप से संचालित करें।
सीवर को शोधित करना अनिवार्य है। शोधित पानी को उद्यानीकरण में उपयोग करें एनजीटी की तरफ से भी इस बाबत सख्त आदेश दिए गए हैं। ऐसा न करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इन सोसाइटियों पर भारी-भरकम जुर्माना लगाया जाएगा। इसके बावजूद सुधार न हुआ तो एनजीटी के आदेशों के मद्देनजर विधिक कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि ग्रेटर नोएडा में 20 हजार वर्ग मीटर या उससे अधिक एरिया पर बनने वाले सभी प्रोजेक्टों को अपना एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) बनाना और उसे फंक्शनल रखना अनिवार्य है, लेकिन कई सोसाइटियों के निवासी प्राधिकरण से लगातार शिकायत कर रहे थे कि उनके यहां एसटीपी नहीं बने हैं।
कुछ सोसाइटियों में एसटीपी बने हैं तो वह फंक्शनल नहीं हैं। अब प्राधिकरण ऐसे बिल्डरों पर कार्रवाई करने की तैयारी कर रहा है।

इन 28 बिल्डरों को जारी हुआ है नोटिस...

1. गौड़ सिटी 4 एवेन्यू सेक्टर-4, ग्रेटर नोएडा वेस्ट
2. गौड़ सिटी 5 एवेन्यू सेक्टर-4, ग्रेटर नोएडा वेस्ट
3. गौड़ सिटी 6 एवेन्यू सेक्टर-4, ग्रेटर नोएडा वेस्ट
4. गौड़ सिटी 7 एवेन्यू सेक्टर-4, ग्रेटर नोएडा वेस्ट
5. गोल्फ होम सेक्टर-4, ग्रेनोा वेस्ट
6. पार्क एवेन्यू-1 सेक्टर-4, ग्रेटर नोएडा वेस्ट
7. गैलेक्सी नॉर्थ एवेन्यू सेक्टर-4, ग्रेटर नोएडा वेस्ट
8. गौड़ सिटी 11 एवेन्यू सेक्टर-16सी, ग्रेटर नोएडा वेस्ट
9. गौड़ सिटी 12 एवेन्यू सेक्टर-16सी, ग्रेटर नोएडा वेस्ट
10. गौड़ सिटी 14 एवेन्यू सेक्टर-16सी, ग्रेटर नोएडा वेस्ट
11. गौड़ सिटी 16 एवेन्यू सेक्टर-16सी, ग्रेटर नोएडा वेस्ट
12. अजनारा ली गार्डन, सेक्टर-16, ग्रेटर नोएडा वेस्ट
13. गुलशन बेलेना, सेक्टर-16, ग्रेटर नोएडा वेस्ट
14. निराला एस्पायर, सेक्टर-16, ग्रेटर नोएडा वेस्ट
15. पंचशील ग्रींस टू, सेक्टर-16, ग्रेटर नोएडा वेस्ट
16. कासा ग्रीन, सेक्टर-16, ग्रेटर नोएडा वेस्ट
17. लासोलरा, सेक्टर-16, ग्रेटर नोएडा वेस्ट
18. रॉयल कोर्ट, सेक्टर-16, ग्रेटर नोएडा वेस्ट
19. विक्ट्री वन, सेक्टर-16, ग्रेटर नोएडा वेस्ट
20. केबीनोज ग्रीन, सेक्टर-16, ग्रेटर नोएडा वेस्ट
21. रतन पर्ल, सेक्टर-16, ग्रेनो वेस्ट
22. सुपरटेक ईको विलेज टू, सेक्टर-16बी, ग्रेटर नोएडा वेस्ट
23. पंचशील ग्रीन-1, सेक्टर-16बी, ग्रेटर नोएडा वेस्ट
24. अजनारा होम्स, सेक्टर-16बी, ग्रेटर नोएडा वेस्ट
25. राधा स्काई गार्डन, सेक्टर-16बी, ग्रेटर नोएडा वेस्ट
26. सुपरटेक ईको विलेज-3,सेक्टर-16बी, ग्रेटर नोएडा वेस्ट
27. फ्रेंच अपार्टमेंट, सेक्टर-16बी, ग्रेटर नोएडा वेस्ट
28. गौड़ सौंदर्यम, सेक्टर टेकजोन-4, ग्रेटर नोएडा वेस्ट

पिता ने बेटी और प्रेमी को फावड़े से काट डाला

सुबह 4 बजे चुपके से घर मिलने आया था, हत्या के बाद थाने में किया सरेंडर

बदायूं। बदायूं में ऑनर किलिंग हुई है। यहां एक पिता ने अपनी बेटी और उसके प्रेमी की हत्या कर दी। मंगलवार सुबह 4 बजे प्रेमी लड़की से मिलने पहुंचा था, तभी दोनों को लड़की के घरवालों ने देख लिया। पहले दोनों को जमकर पीटा। इसके बाद पिता ने फावड़े से दोनों को काट डाला।

कत्ल करने के बाद आरोपी पिता फावड़ा लेकर थाने पहुंचा और पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। वारदात की सूचना पर ष्ठद्भत्र डॉ. ओपी सिंह ने घटनास्थल पहुंचे। लोगों से पूछताछ की। लड़के के घरवालों की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। मामला बिल्सी थाना क्षेत्र का है।

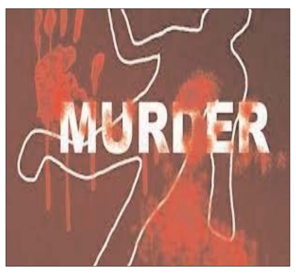

गेट पर खड़े होकर बात कर रहे थे दोनों

गांव परौली का रहने वाला 20 साल का सचिन भार्गव उर्फ जयपाल हरियाणा में ईंट भट्ठे पर मजदूरी करता था। 31 दिसंबर को ही वह घर आया था। उसके घर में 3 भाई और एक बहन हैं। सचिन का घर से 50 मीटर की दूरी पर रहने वाले महेश की बेटी नीतू से करीब 3 साल से अफेयर चल रहा था। सचिन और नीतू के परिवार वालों को भी यह बात पता थी। ऐसे में दोनों पक्षों के बीच तनातनी चल रही थी। बंदिशें भी लगाई गईं, लेकिन दोनों नहीं माने। फोन पर तो बात होती ही थी। इसके अलावा दोनों छुप-छुपकर मिलते भी थे।

आहट सुन जागे पिता, दोनों को देखा तो चिल्लाया

मंगलवार सुबह करीब 4 बजे सचिन अपनी प्रेमिका नीतू से मिलने उसके घर पहुंच गया। इसी बीच नीतू के घरवाले जाग गए। जैसे ही उन्होंने नीतू को सचिन के साथ देखा, तो उन्होंने शोर मचाया। इससे पहले कि दोनों वहां से भागते, घरवालों ने उन्हें पकड़ लिया। इसके बाद घरवालों ने दोनों को पहले तो जमकर पीटा। इसके बाद पिता ने घर में रखे फावड़े से पहले प्रेमी पर ताबड़तोड़ वार किए, फिर अपनी बेटी के सिर पर वार कर दिया। दोनों की हत्या करने के बाद नीतू के दो भाई और मां तो घर से भाग गए, लेकिन पिता महेश फावड़ा लेकर थाने पहुंच गया और सरेंडर कर दिया।

इटावा में पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़ , तीन गिरफ्तार

इटावा। इटावा पुलिस ने शातिर अवैध असलहा तस्करों को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया। बदमाशों के कब्जे से दो अवैध पिस्टल, एक अवैध रिवॉल्वर, 6 जिन्दा कारतूस, दो खोखा कारतूस बरामद किये हैं। एसओजी, सर्विलांस और थाना वैदपुरा एवं थाना बढ़पुरा पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से कार्रवाई की गई। आरोपियों ने पुलिस पर फायर किया। एक सिपाही के बुलेटप्रूफ जैकेट में गोली लगी है।

पुलिस के मुताबिक, थाना वैदपुरा पुलिस द्वारा कटिहार पेट्रोल पम्प के पास संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि मोटरसाइकिल सवार तीन व्यक्ति ग्राम नगला बाबा से नगला बरी तिराहे की ओर आ रहे हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए थाना वैदपुरा व थाना बढ़पुरा की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा नगला बरी तिराहे के पास चेकिंग की जाने लगी। इसी दौरान 1 मोटरसाइकिल आते हुए दिखायी दी। जिन्हें पुलिस टीम द्वारा रुकने का इशारा किया गया तो आरोपी बाइक को तेजी से वापस मोड़कर भागने लगे। उनकी बाइक रास्ते में अनियंत्रित होकर फिसल गई जिसे छोड़कर आरोपी खेतों की तरफ भागने लगे। आरोपियों का पुलिस ने पीछा किया तो उनके द्वारा अपने आपको पुलिस से घिरता देख पुलिस पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की गयी।

शार्ट न्यूज

वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

ललितपुर । पाली पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी पाली रक्षपाल सिंह के निकट पर्यवेक्षण में वांछित / वांरटी अपराधियो की गिरफ्तारी के क्रम मे थाना पाली पुलिस द्वारा मु.अ.स.01/2024 धारा 2/3 गैंगस्टर अधिनियम में वांछित अभियुक्त गैंग लीडर रानू कुशवाहा पुत्र गया प्रसाद कुशवाहा उम्र करीब 25 वर्ष नि.मुहल्ला बजरंगगढ कस्बा व थाना पाली को रेन्ज तिराहे के पास कस्बा व थाना पाली से गिरफ्तार किया गया हैं। अभियुक्त गैगं लीडर रानू कुशवाहा को नियमानुसार मा. न्यायालय पेश किया जा रहा है। *गिरफ्तार करने वाली टीम* प्रभारी निरीक्षक अनुराग अवस्थी उ.नि. सुरेश कुमार चुतुर्वेदी हे.का. अनुरूद्ध कुमार का. राजेश कुमार आदि शामिल रहे।

कुष्ठ रोगियों को किए कंबल वितरित

ललितपुर। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा नववर्ष के उपलक्ष में जिला क्षय रोग चिकित्सालय में एक कार्यक्रम का आयोजन मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर इम्तियाज अहमद की अध्यक्षता में किया गया कार्यक्रम में कुष्ठ रोगियों को इस भीषण ठंड से बचने के लिए भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा कंबल वितरित किए गए इस अवसर पर सीएमओ डॉक्टर इम्तियाज ने कहा कि वर्तमान में कड़ाके की ठंड से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो रहा है जिसको देखते हुए गरीबों को कंबल वितरण करना एक पुनीत कार्य है सचिव डॉक्टर एसपी पाठक ने कहा कि हम सभी को अपने जीवन में गरीबों की मदद के लिए आगे आना चाहिए रेडक्रास द्वारा कंबल वितरण एक सराहनीय कार्य है इस अवसर पर क्षय रोग चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर जे एस बक्शी सचिव डॉक्टर आर एन सोनी, डिस्ट्रिक्ट पब्लिक हेल्थ स्पेशलिस्ट डॉ सौरभ सक्सेना, डॉ राजेश भारती चिकित्सा अधिकारी सचिव डॉक्टर एसपी पाठक संरक्षक अनिल जैन अंचल डॉक्टर मनवीर सिंह तोमर डॉ राजेश शर्मा डॉक्टर अजय बरया डॉक्टर अनूप श्रीवास्तव डॉक्टर सनत मोदी, डा शशांक पाठक, एनएमएस धनेश कुमार सिंह एनएम टी बालकिशन केशव किशोर नाजिल उपस्थित रहे।

हड़ताली चालकों ने एआरएम को दौड़ाया

शाहजहांपुर। देश में ट्रक चालकों की हड़ताल के बीच उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में अनुबंधित बस चालकों ने सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक (एआरएम) पर हमला किया जिससे बचने के लिये एआरएम ने खुद को कमरे में बंद कर लिया। परिवहन निगम के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक आर. एस पांडेय ने मंगलवार को बताया कि नए दुर्घटना कानून के विरोध में रोडवेज के अनुबन्धित व जिले के बस यूनियनों ने हड़ताल घोषित की है। शाहजहांपुर डिपो में कुल 110 बसे है जिसमे 84 बसे अनुबंधित है। बस चालकों की हड़ताल के कारण राहगीरों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। पाण्डेय ने बताया कि डिपो से पांच बसे सवारियां लेकर गयी है। उन्होने अनुबंधित बस चालको से बस ले जाने को कहा जिस पर वाद विवा के बाद चालक उनको पीटने के इरादे से दौड़ पड़े। उन्होने किसी तरह भागकर अपने आप को कमरे में बंद कर बचाया और पुलिस को फोन से सूचना दी। मौके पर पुलिस पहुंची मगर तब तक हमलावर वहां से भाग निकले थे। पुलिस मामले की तहकीकात कर रही है।

गोवध में वांटेड तीन आरोपी गिरफ्तार

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले की पुलिस ने गोवध में फरार चल रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में 28 दिसंबर को सुभाष चौहान ने कप्तानगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि रात्रि में सरसों के खेत में प्रतिबंधित पशुओं का वध कर दिया गया था। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी थी। पुलिस की इस विवेचना में तीन आरोपियों का नाम सामने आया। जिसके बाद से लगातार आरोपी फरार चल रहे थे। पुलिस इस घटना में शामिल आरोपियों की तलाश में जुटी थी। आरोपी जिले के फरार होने के प्रयास में थे। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने गौरा के पास से तीन आरोपियों को हिरासत में लिया। आरोपियों ने पूछताॅछ में अपना अपराध स्वीकार किया। आरोपियों की पहचान मोहम्मद सलमान, मोहम्मद लैस और मोहम्मद कैश के रूप में हुई।

रसोई में पड़ा मिला महिला का शव

कानपुर देहात। कानपुर देहात के थाना रसूलाबाद के अंतर्गत घर में अकेली महिला का शव रसोई में पड़ा मिला। वहीं घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए हैं। प्रारंभिक जांच में गांव के ही एक व्यक्ति पर हत्या करने का संदेह परिजनों ने जताया है। रसूलाबाद के ग्राम शंकरपुर निवासी किसान बलवंत सिंह खेत पर गए हुए थे। घर में उनकी 62 वर्षीय पत्नी राजरानी अकेली थीं। इस दौरान पड़ोस में रहने वाली महिला जब किसी काम से घर के अंदर गई तो राजरानी का खून से लथपथ शव देखा तो होश उड़ गए। महिला ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही एएसपी राजेश पांडेय व सीओ देवेंद्र कुमार के साथ पुलिस मौके पर पहुंची। इस दौरान एएसपी राजेश पांडेय ने आसपास के लोगों से पूछताछ करते हुए एक व्यक्ति पर शक गहराया जो पास में ही रहता था।

आजमगढ़ में 18 अपराधियों पर लगा गैंगेस्टर

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले में अपराधियों के विरूद्ध अभियान चलाया गया है। इस अभियान के अन्तर्गत लगातार अपराधियों पर कार्रवाई की जा रही है। जिले के एसपी अनुराग आर्य ने 18 अपराधियों पर गैंगेस्टर की कार्रवाई की है। जिले में अब तक 1220 अपराधियों दो वर्षों में कार्रवाई की गई है। जिन अपराधियों के विरूद्ध गैंगेस्टर की कार्रवाई की गई वह अपराधी लूट और गोवध के आरोपी हैं। इनमें कई आरोपियों पर कई गंभीर आपराधिक मुकदमें दर्ज हैं। जिले के एसपी अनुराग आर्य ने जिन अपराधियों पर गैंगेस्टर की कार्रवाई की वह इस प्रकार हैं। लूट के मामले में आरोपी सूरज सरोज और अभिषेक पांडेय यह बरदह थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं जिसके विरूद्ध सात आपराधिक मुकदमें दर्ज हैं। देवगांव थाना क्षेत्र में प्रतिबंधित पशुओं की हत्या का मांस की तस्करी करने वाले रियाजुद्दीन और बब्लू, कामरान, ओबैद, सलाम, अयाज, वाहिद और फरजाना के विरूद्ध की गई है।

बहराइच में पेट्रोल टंकियों पर लगी कतारें

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच ज़िले में केंद्र सरकार के नए कानून के विरोध में जिले चल रही ट्रक और बस चालकों की हड़ताल का असर मंगलवार को पेट्रोल टंकियों पर भी देखने को मिला। पेट्रोल की कमी बाइक में न हो, इसके लिए भीड़ उमड़ पड़ी। पहले पेट्रोल लेने को लेकर लोगों में बहस भी हुई। सभी को लिमिट में ही पेट्रोल दिया गया। कई पेट्रोल पंप पर तेल खत्म हो गया है। कुछ पेट्रोल पंप शाम तक तेल समाप्त होने की बात कर रहे हैं। कुल मिलाकर जिले में पेट्रोल को लेकर अफरातफरी का माहौल है केंद्र सरकार द्वारा वाहन चालकों के लिए नया नियम बनाया गया है। इसका सभी विरोध कर रहे हैं। विरोध लंबा चलने की संभावना दिख रही है। ऐसे में मालवाहक वाहन भी नहीं चल रहे हैं। रोजमर्रा का काम न प्रभावित हो, इसके लिए शहर और ग्रामीण क्षेत्र के लोग अपनी बाइक लेकर पेट्रोल पंप पहुंच रहे हैं।

सील्ड कोल्ड ड्रिंक में निकला मरा हुआ चूहा

फिरोजाबाद। यदि आप भी कोल्ड ड्रिंक पीने के शौकीन हैं तो जरा सावधान हो जाएं। फिरोजाबाद सुहागनगरी में एक ऐसा मामला सामने आया है। जहां सर्दी में कोल्ड ड्रिंक पीने आए एक ग्राहक की कांच की बोतल में मरा हुआ चूहा निकलने से हड़कंप मच गया। ग्राहक और दुकानदार के बीच कहासुनी हो गई। जिस पर दुकानदार का कहना था कि साहब इसमें हमारी गलती नहीं है। हम तो जो कंपनी से भेजा जाता है, उसी को बेचते हैं। शहर निवासी दीपक धाकरे प्रतिदिन बस स्टैंड के पास कोल्ड ड्रिंक पीने के लिए आते हैं। रात के समय वह कोल्ड ड्रिंक पीने के लिए बस स्टैंड के सामने दुकान पर गए थे। जहां उन्होंने थम्स अप कोल्ड ड्रिंक पीने के लिए दुकानदार से ली। जैसे ही उन्होंने कांच की बोतल हाथ में पकड़ी, बोतल के अंदर कुछ पड़ा होने का अहसास हुआ। उन्होंने जब बोतल को चारों ओर से देखा तो उसके अंदर चूहे की पूंछ नजर आने लगी। उसका बाकी हिस्सा भी बोतल में था। इसे देखकर ग्राहक के होश उड़ गए। इसे लेकर ग्राहक और दुकानदार के बीच कहासुनी भी हुई। ग्राहक ने बताया कि बोतल के अंदर चूहा मरा हुआ था। वहीं, दुकानदार का कहना है कि साहब हम तो कंपनी द्वारा भेजे गए माल को ही बेचते हैं। सील पैक कांच की बोतल में मरा हुआ चूहा निकला है तो इसके लिए कंपनी जिम्मेदार है। इसके लिए कंपनी पर कार्रवाई होनी चाहिए।

लखनऊ में कार ने युवक और महिला को रौंदा, मौत

शराब के नशे में धुत कार चालक, मुकदमा दर्ज

लखनऊ। नववर्ष की पहली सुबह तीन परिवारों के लिये काल बन गयी। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र में लखनऊ-रायबरेली हाइवे पर सोमवार सुबह शराब के नशे में धुत होकर कार दौड़ा रहे चालक ने सड़क पार कर रहे युवक समेत सड़क किनारे बैठकर आग ताप रही महिला को रौंद दिया। इसमें महिला और युवक की मौत हो गईं।

हादसे की सूचना पाकर मौके पर परिजन व पहुंची पुलिस दुर्घटना करने वाली कार समेत चालक को हिरासत में लेकर थाने ले गयी। शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिये भेज दिया। मृतका के बेटे की तहरीर पर पुलिस ने कार व चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया हैं।

सड़क पार कर रहा था युवक

प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहनलालगंज के कनकहा मजरा कीर्तिखेड़ा निवासी जगदीश (35) अपने गांव के बाहर हाइवे पर स्थित मगंलम् ढाबे पर काम करता था। हर रोज की तरह रविवार की रात ड्यूटी पर गया था। सोमवार की सुबह सात बजे के करीब ढाबे की साफ-सफाई कर कूड़ा फेंकने के लिए हाइवे पार कर दूसरी पटरी पर गया था।

कूड़ा फेंककर वापस हाइवे की पटरी पार कर ढाबे की तरफ जा रहा था। तभी रायबरेली की तरफ से लखनऊ जा रही तेज रफ्तार कार के शराब के नशे में धुत चालक ने युवक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मजदूर छिटककर 50 मीटर दूर जा गिरा। दुर्घटना के बाद भगाने के चक्कर में कुछ दूर पर स्थित अन्नत हास्पिटल के बाहर बैठकर आग ताप रही महिला राघुरा (45) निवासी मस्तीपुर थाना निगोहां को रौदंते हुए हाइवे किनारे लगे लोहे के बोर्ड में टक्कर मारते हुए कुछ दूर पर जाकर कार बंद हो गयी।

दुर्घटना में गम्भीर रूप से घायल मजदूर जगदीश व महिला राघुरा को परिजन एम्बुलेंस की मदद से मोहनलालगंज सीएचसी लेकर गये। जहां मौजूद डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। परिजन मौके पर पहुंचे तो कोहराम मच गया।

युवक पर गोली चलाने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

3 दिन पहले सरेआम झोंका था फायर, बाइक और तमंचा भी बरामद

देवरिया। देवरिया कोतवाली क्षेत्र के चिंतामन चक गांव में 3 दिन पूर्व युवक पर फायर कर हमला करने वाले तीनों बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इनके पास से घटना में प्रयुक्त कट्टा और बाइक बरामद कर लिया है। जिले के सदर कोतवाली थाना क्षेत्र के चिंतामन चक गांव निवासी रोहित यादव पुत्र रामबदन यादव को कुछ लोगों द्वारा घर के बाहर

उनके ऊपर फायर कर घायल कर दिया। जिनका इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। इस संबंध में घायल युवक की मां ने थाना कोतवाली में तहरीर दी थी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आईपीसी की धारा 307 के अंतर्गत 3 नामजद और अज्ञात के विरुद्ध मुकदना दर्ज किया था। कोतवाली पुलिस द्वारा मामले की छानबीन और बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास किया जा रहा था। 2 जनवरी को थाना कोतवाली पुलिस को मुखबिर से संदिग्ध लोगों के होने की सूचना मिली थी।

शादी से इंकार पर हुई थी युवती की हत्या

फतेहपुर। यूपी के फतेहपुर में 8 माह पूर्व हुई एक युवती की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा करता हुए युवती के प्रेमी सहित 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, युवती के शादी से इनकार करने पर हत्या कर शव फेंक दिया गया था। इसमें आरोपी युवक की मां मुख्य सरगना है। इनके पास से युवती के जेवर भी बरामद किये गये हैं। पुलिस अधीक्षक उदय शंकर सिंह ने बताया कि 8 माह पहले जाफरगंज थाना क्षेत्र के नयापुरवा मजरे तेदुली लाखीपुर गांव में सड़क किनारे झाड़ियों में एक 19 वर्षीय युवती का शव पड़ा था। आरोपियों ने केय उलझाने के लिए शरीर के ऊपरी कपड़े निकालकर गायब कर दिये थे। एसपी ने बताया, युवती के हत्या में शामिल आरोपी प्रेमी युवक दिवेश (19) निवासी सवत ने पूछताछ में बताया कि शालू नाम की युवती का गांव खागा कोतवाली क्षेत्र के टेनी गांव में आरोपी दिवेश रैदास की रिश्तेदारी होने के कारण आना जाना था। 2021 जनवरी व फरवरी में गांव में मेला के दौरान दोनों की मुलाकात एक चाट की दुकान पर हुई थी।

प्रयागराज में 3 वाहन चोर गिरफ्तार

प्रयागराज। प्रयागराज की खुल्दाबाद पुलिस टीम ने मंगलवार को वाहन चोरों के एक शातिर गिरोह का पर्दाफाश किया है। गिरोह का सरगना जाकिर उर्फ आमिर (24) निकला, जोकि हाईस्कूल तक पढ़ा है। यह वाहनों को चोरी के बाद उनके जरूरी बदलाव और रंग-रोगन कर बेच देता है। वाहनों को बेचने के लिए जाली दस्तावेज भी तैयार करा लेता है। जाकिर के दो अन्य साथियों निखिल सिंह चौहान व रवि पासी को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इनके कब्जे से चोरी के 3 ई-रिक्शा, 3 दो पहिया वाहन व 3 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। खुल्दाबाद इंस्पेक्टर विनोद कुमार सोनकर ने बताया कि गिरफ्तार जाकिर उर्फ आमिर पुत्र हसीन अहमद निवासी कसारी मसारी, करेली प्रयागराज ने बताया कि उसके दो साथी निखिल सिंह चौहान (23) पुत्र रामकुमार चौहान निवासी लकड़मण्डी थाना खुल्दाबाद जनपद प्रयागराज व रवि पासी (30) पुत्र लल्लन उर्फ शारदा प्रसाद निवासी मदारीपुर थाना करेली प्रयागराज वाहन चोरी कर लाते हैं। वह उन वाहनों का कलर चेंज करा देता है और जाली दस्तावेज तैयार कर उनकी नंबर प्लेट बदल देता है। इस तरह से उन वाहनों को सस्ते दामों पर शहर के आसपास के ग्रामीण इलाको में बेच देता है। तीनों के खिलाफ पहले से भी चोरी के कई मुकदमें दर्ज हैं। आपराधिक इतिहास-जाकिर पर दो मुकदमे, जबकि निखिल पर खुल्दाबाद में 4 केस दर्ज हैं। रवि पासी पुत्र लल्लन उर्फ शारदा प्रसाद पर कीडगंज, कोतवाली और खुल्दाबाद में कुल 7 केस विभिन्न धाराओं में दर्ज हैं। रवि देशी बम के साथ भी कई बार पकड़ा गया है। उसपर विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत भी केस दर्ज हैं। गिरफ्तार करने वाली टीम में सब इंस्पेक्टर अमित कुमार गुप्ता, सिपाही मनीष कुमार यादव, थाना खुल्दाबाद और सिपाही पुष्पेन्द्र कुमार, थाना खुल्दाबाद शामिल रहे।

पीएम ऑफिस जा रहे कांग्रेसियों की पुलिस से झड़प

रास्ते में 5 बैरिकेडिंग में से एक तोड़ी, आईआईटी-बीएचयू गैंगरेप केस में घेराव करने जा रहे थे

वाराणसी। वाराणसी में कांग्रेसियों और पुलिसकर्मियों की झड़प हो गई। मंगलवार दोपहर आईआईटी-बीएचयू गैंगरेप के विरोध में कांग्रेसी पीएम ऑफिस का घेराव करने जा रहे थे। इन्हें रोकने के लिए पुलिसकर्मियों ने 5 जगहों पर बैरिकेडिंग की थी। मगर कांग्रेसियों ने पहली बैरिकेडिंग तोड़ दी। इसके बाद पुलिस ने उनकी घेराबंदी कर दी। पुलिस ने करीब 200 मीटर पहले गुड़गांव चौराहा के पास रोक लिया। इसके बाद कांग्रेस नेता सड़क पर ही बैठ गए। पुलिस के अफसरों से कांग्रेस पदाधिकारियों की तीखी नोक-झोंक और धक्का-मुक्की हुई। हालांकि, पुलिस ने उन्हें आगे नहीं बढ़ने दिया है। इसके बाद सड़क पर बैठकर कांग्रेसियों ने रघुपति राघव राजा

राम की स्तुति की। 50 मिनट के बाद कांग्रेसियों ने प्रदर्शन रोक दिया गया। इसके साथ ही पुलिस अफसरों को ज्ञापन सौंपा। इसके बाद सभी लौट गए। यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने सोमवार को आईआईटी-बीएचयू में गैंगरेप के विरोध में प्रदर्शन का ऐलान किया था। राय ने यूपी सरकार से पूछा, तीनों भाजपा पदाधिकारियों के घरों पर बुलडोजर कब चलाया जाएगा?

आईआईटी-बीएचयू कैंपस में छात्रा के साथ हुआ था गैंगरेप

घटना 1 नवंबर की रात 1: 30 बजे की है। आईआईटी-बीएचयू के हॉस्टल से एक छात्रा किसी जरूरी काम के लिए बाहर निकली। कैंपस के गांधी स्मृति चौराहे के पास उसका दोस्त मिला। तभी रास्ते में कर्मन बाबा मंदिर से करीब 300 मीटर दूर पीछे से एक बुलेट पर सवार तीन लड़के पहुंचे। बाइक खड़ी कर लड़की और उसके दोस्त को रोक लिया।

छात्रा का मुंह दबाकर एक कोने में ले गए। वहां बंदूक का डर दिखाकर कपड़े उतरवाए। वीडियो बनाया और फोटो खींची। फिर गैंगरेप किया। छात्रा वहां से भाग कर एक प्रोफेसर के आवास में घुस गई। प्रोफेसर ने छात्रा को गेट तक छोड़ा। उसके बाद पार्लियामेंट सिक्योरिटी कमेटी के राहुल राठौर ने आईआईटी-बीएचयू पेट्रोलिंग गार्ड के पास ले गए।

साल के अंत तक शुरु होगा देश का दूसरा सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने देश के दूसरे सबसे लंबे एक्सप्रेस-वे को साल के अंत तक संचालित करने के लिए युद्धस्तर पर कार्य करने के निर्देश यूपीडा के अधिकारियों को दिये हैं।

आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि हाल ही में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यदायी एजेंसी यूपीडा के अधिकारियों के साथ बैठक में हर हाल में साल के अंत तक गंगा एक्सप्रेस-वे को संचालित करने के निर्देश दिये हैं। 2025 में महाकुंभ से पहले ही इस बहुप्रतीक्षित एक्सप्रेस-वे को शुरू कर दिया जाएगा।

उत्तर प्रदेश फिलहाल देश में सर्वाधिक एक्सप्रेस-वे वाला राज्य है। यहां छह एक्सप्रेस-वे संचालित हैं, जबकि सात निर्माणाधीन हैं। इनमें गंगा एक्सप्रेस-वे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजना है। गंगा एक्सप्रेस-वे की प्रस्तावित लंबाई 594 किमी है, जो मुम्बई-नागपुर एक्सप्रेस-वे के बाद देश का दूसरा सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे बनने जा रहा है। वहीं भारत के टॉप 10 लंबे एक्सप्रेस-वे में भी प्रदेश के चार एक्सप्रेस-वे पहले से ही अपना स्थान बनाए हुए हैं। गंगा एक्सप्रेस-वे के संचालन के साथ ही शीर्ष 10 में यूपी के पांच एक्सप्रेस-वे शामिल हो जाएंगे।

उन्होने बताया कि ये एक्सप्रेस-वे 12 जिलों के 518 गांवों से होकर गुजरेगा। इसके बाद मेरठ से हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली और प्रतापगढ़ होते हुए प्रयागराज तक की दूरी को महज कुछ घंटों में ही तय किया जा सकेगा। गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ-बुलंदशहर (एनएच 334) पर बिजौली गांव से शुरू होकर प्रयागराज में (एनएच 19) पर जूडापुर दादू गांव के समीप पर समाप्त होगा। 7467 हेक्टेयर भूमि पर तैयार होने वाले इस एक्सप्रेस-वे परियोजना की लागत 36,230 करोड़ रुपए है।

सूत्रों के अनुसार गंगा एक्सप्रेस-वे को शुरुआत में छह लेन, जबकि आगे चलकर आठ लेन में विस्तार किये जाने का प्रस्ताव है। इसकी डिजाइन स्पीड 120 किमी प्रतिघंटा होगी। एक्सप्रेस-वे पर विभिन्न स्थानों पर 9 जनसुविधा परिसरों को विकसित किया जाएगा। वहीं दो स्थानों पर मुख्य टोल प्लाजा (मेरठ और प्रयागराज) जबकि रैम्प टोल प्लाजा 15 स्थानों पर प्रस्तावित हैं। इसके अलावा गंगा नदी पर (960 मीटर) और रामगंगा नदी पर (720 मीटर) जैसे बड़े सेतु का निर्माण भी होना है। यही नहीं शाहजहांपुर के जलालाबाद तहसील के पास 3.50 किमी लंबे हवाई पट्टी का भी निर्माण होगा। गंगा एक्सप्रेस-वे प्रोजेक्ट के दौरान चार प्रमुख विभागों से मिलने वाली 153 अनापत्तियां में से 141 को प्राप्त कर लिया गया है। इनमें एनएचएआई/पीडब्लूयडी से 48 में से 44, रेलवे से सात में से सात, सिंचाई विभाग से 88 में से 82 और फ्यूल पाइपलाइन से 10 में से 8 अनापत्तियां प्राप्त कर ली गई हैं।

मैनपुरी में ट्रक ड्राइवर और पुलिस के बीच झड़प

मैनपुरी। मैनपुरी के करहल थाना क्षेत्र में गुजरने वाले आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे पर केंद्र सरकार के बनाए गए कानून के विरोध में विरोध प्रदर्शन कर रहे वाहन चालकों ने पथराव कर दिया। आकस्मिक हुए पथराव से भगदड़ मच गई। सूचना मिलते ही थाना क्षेत्र का पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गया, जिसे देख प्रदर्शन कर रहे लोगों ने पुलिस टीम पर ही पत्थर शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने जैसे ही हालत बिगड़ने की बड़ी कोशिश करनी चाही वैसे ही एक्सप्रेस-वे पर पुलिस ने लाठियां पटकना शुरू कर दिया। हालात अपने कब्जे में लेने के प्रयास में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले दागना प्रारंभ कर दिया। एक्सप्रेस वे पर पथराव और आंसू गैस के गोले चलने से दोनों तरफ एक्सप्रेस वे पर वाहनों की लंबी कतारे लग गई। जिसे देखते ही देखते लंबा जाम लग गया। उच्च अधिकारियों को एक्सप्रेस वे पर हुए बबाल की सूचना प्राप्त होते ही आसपास के थानों का पुलिस बल आनन-फानन में घटनास्थल पर पहुंच गया।

नेपाल सीमा पर 424 सुरक्षा समितियां कर रही है निगरानी

बस्ती। उत्तर प्रदेश के बस्ती परिक्षेत्र के सिद्वार्थनगर जिले मे भारत-नेपाल सीमा पर आरपेशन कवच के तहत 424 सुरक्षा समितियां निरन्तर निगरानी कर रही है।

पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) रामकृष्ण भारद्वाज ने मंगलवार को 'यूनीवार्ता' से बातचीत में कहा कि नेपाल सीमा पर सुरक्षा के कड़े प्रबन्ध किये गये है। आपरेशन कवच के तहत जनपद सिद्वार्थनगर में नेपाल बार्डर से 10 किलोमीटर अन्दर आने वाले 424 गांवो में ग्राम सुरक्षा समिति का गठन किया गया है। इन समितियों में चार हजार 173 सदस्य जोड़े गये है। भारत-नेपाल सीमा पर संदिग्ध अवस्था मे दिखाई पड़ने वाले व्यक्तियों के बारे मे समिति के सदस्यों द्वारा पुलिस तथा एसएसबी के जवानो को जानकारी दिया जाता है जहां पर पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम द्वारा जांच पड़ताल करके कार्यवाही किया जाता है।

उन्होने बताया कि सीमा से सटे 424 गांवो मे गोष्ठी आयोजित करके

मादक पदार्थ एवं मानव तस्करी के सम्बंध मे लोगो को जागरूक किया जाता है तथा इसकी रोकथाम के लिए समिति के सदस्यों के अलावा भी आम नागरिको से सहायता लिया जाता है। सभी सदस्यों का विवरण स्थानीय पुलिस थाने पर मौजूद है समय-समय पर थाने स्तर पर भी बैठक करके आवश्यक जानकारियां आदान प्रदान की जाती है। वर्तमान समय मे नेपाल को जाने वाली सभी मार्गो पर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है हर आने जाने वाले लोगो के बारे मे जानकारी प्राप्त किया जाता है अगर कोई संदिग्ध अवस्था मे पाया जाता है तो उसकी जांच पड़ताल कराकर उसके विरूद्ध कार्यवाही किया जाता है।

दो विमान टकराए, लगी आग,जापान में टली बड़ी घटना, विमान के साथ तटरक्षक विमान की टक्कर, सभी 300 यात्री सुरक्षित

टोक्यो ।जापान में जोरदार भूकंप के बाद फिर एक बड़ी अनहोनी की खबर सामने आई है।जापान एयरलाइंस के एक विमान के साथ एक तटरक्षक विमान की टक्कर हो गई। जोरदार टक्कर के बाद टोक्यो के हानेडा हवाई अड्डे के रनवे पर आग लग गई। बताया जा रहा है कि उड़ान भरने वाला विमान 300 से अधिक यात्रियों को ले जा रहा था। लाइव फुटेज में विमान की खिड़कियों से आग की लपटें निकलती दिखाई दीं। जापान एयरलाइंस के प्रवक्ता ने कहा कि होक्काइडो के शिन-चिटोस हवाई अड्डे से उड़ान भरने वाला विमान 300 से अधिक यात्रियों को ले जा रहा था। वीडियो में दिख रहा है कि विमान के रनवे पर उड़ान भरने के दौरान आग और धुएं का एक बड़ा विस्फोट दिखाई दिया। इसके बाद विंग के आसपास के क्षेत्र में आग लग गई। एक घंटे बाद के फुटेज में दिखाया गया कि विमान पूरी तरह से आग में घिरा हुआ था। बताया जा रहा हैं कि विमान जेएएल फ्लाइट 516 था, जो जापान के शिन चिटोस हवाईअड्डे से हनेडा के लिए उड़ान भरी थी। एयरलाइन ने कहा कि सभी 379 यात्रियों और चालक दल को निकाल लिया गया है। वहीं विमान सड़क से नीचे फिसलते ही आग की लपटों में घिर गया और अग्निशमन दल आग बुझाने की कोशिश कर रहे थे। वहीं, जापान के तट रक्षक ने कहा कि वह इस संभावना की जांच कर रहा है कि उसका एमए-722 विमान रनवे पर जेएएल उड़ान से कैसे टकराया। बता दें कि हानेडा जापान के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक है और अभी के समय कई लोग नए साल की छुट्टियों में यात्रा करते हैं।

पत्रकारों से बात करने के दौरान विपक्षी नेता को चाकू से घायल किया

सियोल । दक्षिण कोरिया के मुख्य विपक्षी नेता ली जे-म्युंग को चाकू से घायल कर दिया। जानकारी के अनुसार वह पत्रकारों से बात कर रहे थे, उसी समय हमलावर ने चाकू से वार कर ?दिया। बुसान दौरे के वक्त एक अज्ञात हमलावर ने उन पर चाकू से वार किया है। हमले में घायल हुए ली जे-म्युंग को आनन-फानन में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार दक्षिण कोरिया के मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रमुख ली जे-म्युंग पत्रकारों से बातचीत करते हुए कुछ सवालों के जवाब दे रहे थे, तभी एक हमलावर ने ली पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में उनकी गर्दन के बाईं ओर चोट लगी है। ताजा जानकारी के अनुसार, विपक्षी नेता ली जे-म्युंग पर हमला करने वाले आरोपी को घटनास्थल से गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, अभी ली जे-म्युंग को लगी चोट के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। हमले को लेकर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीर में देखा जा सकता है कि वह अपनी आंखें बंद कर फर्श पर लेट हुए हैं, जबकि उनके इर्द-गिर्द अधिकारियों की भीड़ खड़ी है और उनकी गर्दन पर एक कपड़ा भी रखा हुआ है। गौरतलब है कि ली ने इससे पहले बुसान के गाडेओक द्वीप पर एक निर्माणाधीन नए हवाई अड्डे की साइट का दौरा भी किया था। बता दें ?कि ली जे-म्युंग दक्षिण कोरिया के मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रमुख भी हैं। हमलावर की उम्र 50 से 60 के बीच थी। कथित तौर पर वह ऑटोग्राफ मांगने के लिए ली के पास पहुंचा था। फिर अचानक वह चाकू मारने के लिए आगे बढ़ा। सोशल मीडिया पर घटना से जुड़ा वीडियो सामने आया है, जिसमें चाकू लगने के बाद ली को भीड़ पर और फिर जमीन पर गिरते हुए देखा गया। वहीं ली को घेरे कई लोगों ने हमलावर को तुरंत पकड़ लिया।

अर्जेंटीना के राष्ट्रपति का वायरल वीडियो देख भड़के लोग, जमकर हुई आलोचना

ब्यूनस आयर्स, ।अर्जेंटीना के नए राष्ट्रपति जेवियर माइली सबके सामने गर्लफ्रेंड को किस करके विवादों में घिर गए हैं। एक म्यूजिकल प्रोग्राम में उन्होंने स्टेज पर आकर सबके सामने अपनी गर्लफ्रेंड को किस करना शुरू कर दिया था। बता दें कि 53 साल के माइली की गर्लफ्रेंड का नाम फातिमा फ्लोरेज है। उन्होंने उस वक्त गोल्डन रंग की ड्रेस पहनी हुई थी। वो अपनी परफॉर्मेंस के बाद स्टेज पर आईं। जिसके बाद उनके बॉयफ्रेंड माइली भी वहीं आ गए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति मार देल प्लाटा के रॉक्सी थियेटर में रात के करीब 9.40 बजे पहुंचे थे। उन्होंने अपने पैसों से शो का टिकट लिया, फिर स्टेज पर जाकर भाषण भी दिया था। इसके बाद वहां मौजूद लोग उस वक्त काफी हैरान रह गए, जब राष्ट्रपति अपनी गर्लफ्रेंड को किस करने लगे। पब्लिक में किस किए जाने के चलते उनकी काफी आलोचना हो रही है। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। लोगों का कहना है कि सार्वजनिक पद पर बैठे व्यक्ति को सबके सामने इस तरह का व्यवहार नहीं करना चाहिए। एक यूजर ने कहा, अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली ने अपनी गर्लफ्रेंड के साथ स्टेज पर ही ऐसा किया! क्या कोई व्यभिचारी इस तरह सार्वजनिक रूप से स्टेज पर जा सकता है? एक अन्य यूजर ने कहा, अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली ने अपनी गर्लफ्रेंड फातिमा फ्लोरेज को उनके लाइव थिएटर शो के दौरान ही भावुक होकर किया किया। ये इस बात का सबूत है कि आप सरकारी बर्बादी को खत्म कर सकते हैं, साम्यवाद को नष्ट कर सकते हैं, और फिर भी आपके पास मौज-मस्ती के लिए समय होगा। हालांकि ऐसा पहली बार नहीं है, जब इस कपल ने सार्वजनिक रूप से किस किया है। इन्होंने नवंबर में हुई वोटिंग के बाद भी किस किया था।

आतंकवादियों ने छह नाईयों का अपहरण कर हत्या की

पेशावर ।पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में अज्ञात आतंकवादियों ने छह नाईयों का अपहरण कर उनकी गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मीर अली इलाके में हुई। पुलिस ने कहा कि पीड़ित पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के थे। स्थानीय बाजार में नाई की दुकानें चलाते थे। उन्होंने कहा कि उनका एक दिन पहले अपहरण कर लिया गया और उनके शव मंगलवार को बरामद किए गए। हालांकि, किसी ने तुरंत हत्याओं की जिम्मेदारी नहीं ली। छह नाइयों की गोली मारकर हत्या करने वाले अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने तलाश शुरू कर दी है। उत्तरी वजीरिस्तान की ताजा घटना तब हुई जब उसी प्रांत में अज्ञात आतंकवादियों ने पांच मजदूरों की हत्या कर दी, जब वे अपने तंबू में थे। यह वीभत्स कृत्य उस समय में हुआ है, जब प्रांत बढ़ते आतंकवाद के कारण बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति से जूझ रहा है। आतंकवादी कृत्यों में वृद्धि विशेष रूप से पूर्व आदिवासी क्षेत्र में बढ़ रही हैं, जिसमें सेना और पुलिस पर हमलों के साथ-साथ लक्षित हत्याएं भी शामिल हैं। हालांकि, बन्नू और डेरा इस्माइल खान के आसपास का क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हुआ है।

संपर्क में रहने की अवधि बढ़ा सकती कोविड संक्रमण की संभावना को

-ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने कहा

लंदन ।एक्सपोज़र के बाद सार्स-कोव-2 ट्रांसमिशन की संभावना को समझने के लिए ब्रिटेन के ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने इंग्लैंड और वेल्स में 70 लाख संपर्कों के साथ एनएचएस कोविड ऐप के डेटा का उपयोग किया। ताजा अध्ययन से पता चला है कि निकटता से अधिक, कोविड वाले लोगों के संपर्क में रहने की अवधि संक्रमण की संभावना को बढ़ा सकती है। अधिक दूरी पर लंबे एक्सपोज़र से नजदीकी दूरी पर कम एक्सपोज़र के समान जोखिम है। रिपोर्ट किए गए सकारात्मक परीक्षण से पुष्टि किए गए संचरण की संभावना शुरू में एक्सपोज़र की अवधि (1.1 प्रतिशत प्रति घंटा) के साथ रैखिक रूप से बढ़ी और कई दिनों तक बढ़ती रही। हालांकि अधिकांश संपर्क कम अवधि के थे, ट्रांसमिशन आमतौर पर एक घंटे से लेकर कई दिनों तक चलने वाले एक्सपोज़र के परिणामस्वरूप हुआ था।

जापान में आये भीषण भूकंप के कारण सड़कों पर दरारें पड़ गयीं। ऐसी ही एक दरार में एक कार फंस गयी।

जापान में आए भूकंप ने मचाई तबाही, भारत सहित तजाकिस्तान-म्यांमार में लगे झटके

टोक्यो । नए साल की शुरुआत में जापान के अनेक हिस्सों में भूकंप ने तबाही मचा दी। यहां साल के पहले दिन 7.6 तीव्रता का भूकंप आया है। यह जापान में आए अब तक के सबसे शक्तिशाली भूकंपों में से एक है। इसके कारण शहरों की सड़कों में दरारे आ गई, खंबे उखड़ गए और जनजीवन बेपटरी हो गया। हालांकि इसके साथ ही भारत व तजाकिस्तान-म्यांमार में भी भूकंप के तेज झटके महसूस ?किए गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटों में जापान में 4.0 से अधिक तीव्रता के 56 भूकंप आए हैं। हलांकि जापान के भूकंप के साथ-साथ पिछले 24 घंटों में भारत के भी कई हिस्सों में भूकंप आ चुका है। सोमवार देर रात को भी उत?तर भारत समेत अलग-अलग जगहों पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र की तरफ से इसकी जानकारी दी गई। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, नागालैंड में शाम के वक?त भूकंप दर्ज किया गया। यहां शाम 7 बजकर 18 बजे वोखा क्षेत्र में 2.8 की तीव्रता का भूकंप आया, जोकि जमीन से 5 किलोमीटर की गहराई पर था। वहीं देर रात 10 बजकर 15 मिनट 29 सेकेंड पर लद्दाख में भी भूकंप आया। इस भूकंप की तीव्रता 3.6 दर्ज की गई। यह जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर आया। इसके अलावा असम के धुबरी में भी देर रात 11 बजकर 23 मिनट पर 2.6 की तीव्रता का भूकंप आया है। इसकी गहराई जमीन से 10 किमी थी। पिछले 24 घंटों में भारत के आसपास भूटान में 2.7 की तीव्रता का भूकंप आया। तजाकिस्तान में 4.4 की तीव्रता का भूकंप तथा म्यांमार 4.3 की तीव्रता का भूकंप आया। इन सभी भूकंप के बाद किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

चीन-अमेरिकी द्विपक्षीय संबंधों का जिम्मेदारी से प्रबंधन करने को लेकर प्रतिबद्ध : बाइडन

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने सोमवार को चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग को आश्वासन दिया कि वह दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों का पूरी जिम्मेदारी के साथ प्रबंधन करने और उन्हें आगे बढ़ाने को लेकर प्रतिबद्ध हैं। शी चिनफिंग और जो बाइडन ने सोमवार को चीन-अमेरिका के बीच राजनयिक संबंधों की 45वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक-दूसरे को बधाई दी। दोनों राष्ट्रपतियों ने सेन फ्रांसिस्को में एपीईसी शिखर सम्मेलन के मौके पर मुलाकात की थी और दुनिया की शीर्ष दो अर्थव्यवस्थाओं के बीच बढ़ते तनाव को कम करने पर सहमति जताई थी। बाइडन ने इस अवसर पर चिनफिंग को भेजे अपने संदेश में कहा कि 1979 में राजनयिक संबंधों की शुरुआत के बाद से अमेरिका और चीन के बीच संबंधों ने दोनों देशों तथा दुनिया के लिए समृद्धि और अवसरों को सुविधाजनक बनाया है।

चीन की सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' के मुताबिक बाइडन ने कहा कि वह दोनों देशों के इस महत्वपूर्ण रिश्ते को जिम्मेदारी से प्रबंधित करने को लेकर प्रतिबद्ध हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने की दिशा में वह दोनों नेताओं के पूर्ववर्तियों द्वारा की गई प्रगति और दोनों राष्ट्राध्यक्षों के बीच कई बैठकों और चर्चाओं के आधार पर अमेरिका-चीन संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हैं। इस दौरान शी ने अमेरिका से नवंबर में अपने शिखर सम्मेलन के परिणामों को ''ईमानदारी से लागू'' करने का आग्रह किया है। शी ने अपने संदेश में कहा कि चीन और अमेरिका के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना द्विपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के इतिहास में एक अहम घटना है।

'शिन्हुआ' के मुताबिक शी ने कहा कि पिछले 45 वर्षों में चीन-अमेरिका संबंध उतार-चढ़ाव से गुजरे हैं और समग्र रूप से आगे बढ़े हैं, जिससे न केवल दोनों देशों के लोगों को लाभ पहुंचा है, बल्कि वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि को भी बढ़ावा मिला है। शिखर सम्मेलन के दौरान शी और बाइडन उच्च-स्तरीय सैन्य संचार को फिर से शुरू करने पर सहमत हुए, जो 2022 में अमेरिकी संसद की तत्कालीन स्पीकर नैंसी पेलोसी के ताइवान दौरे के बाद लगभग टूट गया था। चीन, ताइवान को अपना हिस्सा होने का दावा करता है। दोनों देशों में बढ़ी तल्खी के बीच शी और बाइडन के बीच लगभग एक साल बाद आमने-सामने की बैठक हुई थी। पिछले साल फरवरी में जब अमेरिका ने चीन पर उसके हवाई क्षेत्र में जासूसी गुब्बारा भेजने का आरोप लगाया, तो संबंधों में तल्खी और बढ़ गई थी।

कार्यवाहक पीएम काकर का आरोप... बलूच विद्रोह में भारत का हाथ

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तानी कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकर ने बलूच विद्रोह का ठीकरा भारत के सिर फोड़ दिया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि बलूच विद्रोहियों को पाकिस्तान में हमले को अंजाम देने के लिए भारतीय खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) फंडिंग दे रही है। पीएम काकर ने कहा कि पाकिस्तान में करीब 90,000 लोग मारे गए, फिर भी नौ लोगों को भी दोषी नहीं ठहराया गया। उन्होंने पाकिस्तान की आपराधिक न्याय प्रणाली पर भी सवाल उठाया। पाकिस्तान इन दिनों गंभीर आंतरिक संकट से जूझ रहा है। पाकिस्तान में पिछले एक साल में रिकॉर्ड स्तर पर हिंसा देखी गई है।

पाकिस्तानी पीएम ने कहा कि बलूच लिबरेशन आर्मी, बलूच लिबरेशन फ्रंट और बलूच रिपब्लिकन आर्मी जैसे आतंकवादी संगठन हैं, जो पाकिस्तान के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष में विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा कि संगठनों ने 3,000-5,000 लोगों को मार डाला। काकर ने कहा कि इन संगठनों से जुड़े उग्रवादियों के अपने रिश्तेदार भी थे, जिन्होंने उनके पक्ष में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, हम विरोध करने के अधिकार को स्वीकार करते हैं लेकिन हम (बलूच) परिवारों से जुड़े लोगों के आतंकवाद के कार्यों को स्वीकार नहीं करते हैं।

न्याय प्रणाली सही नहीं है। ये भारत से पैसे लेकर 80-90 हत्याएं करते हैं। मैं घोषणा करता हूं कि वे यह सब रॉ की फंडिंग से करते हैं। इस बात से इंकार करें कि वे ऐसा नहीं करते।

इस्लामाबाद में बलूच प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई पर बयान देकर प्रधानमंत्री काकर ने स्वीकार किया कि ऐसा नहीं होना चाहिए था। हालांकि, उन्होंने कहा कि अधिकारियों पर पथराव किया गया जिसके परिणामस्वरूप पुलिस को प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज करना पड़ा और पानी की बौछारें करनी पड़ीं।

पीएम काकर ने कहा, मैं उनसे पूछता हूं, क्या वे पाकिस्तान की तुलना इजरायल से कर रहे हैं? हमारा झगड़ा (लापता व्यक्तियों के) परिवारों से बिल्कुल भी नहीं है। काकर ने कहा कि कई लोगों ने सोचा था कि वे आंदोलन में शामिल होकर हीरो बन सकते हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि यह इतना आसान नहीं था।

हूती विद्रोहियों को सपोर्ट करने ईरान का युद्धपोत पहुंचा लाल सागर

तेहरान ।इजरायल और हमास के युद्ध का तनाव लाल सागर में देखने को मिल रहा है। यही वजह है ?कि हूती विद्रोहियों को सपोर्ट करने के ?लिए अब ईरान का युद्धपोत लाल सागर में पहुंच गया है। बता दें ?कि दुनिया के सबसे प्रमुख जलमार्गों में से एक में लगातार तनाव बढ़ रहा है। जानकारी के अनुसार ईरान का अल्बोर्ज युद्धपोत लाल सागर में प्रवेश कर गया है। यमन के हूती विद्रोही लगातार इजरायल पर मिसाइल और ड्रोन दाग रहे हैं। इसके अलावा हूती विद्रोही महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग में व्यापारी जहाजों पर हमला कर रहे हैं। हूती विद्रोहियों को ईरान समर्थन देता रहता है। रविवार को हूती विद्रोहियों पर अमेरिका ने हमला किया था, जिसके बाद ईरान का युद्धपोत लाल सागर में पहुंचा है। ईरान का यह जहाज लाल सागर में तब पहुंचा जब अमेरिकी नौसेना का यूएसएस जेराल्ड फोर्ड एयर क्राफ्ट कैरियर मिडिल ईस्ट से हट रहा है। रविवार को हूती विद्रोहियों ने यमन के पास मार्सक मालवाहक जहाज पर चढ़ने की कोशिश की। हूती विद्रोही चार नावों के जरिए गोलीबारी करते हुए जहाज के करीब पहुंचे। जहाज की ओर से मदद मांगी गई, जिसे अमेरिकी नेवी के आइजनहावर कैरियर स्ट्राइक ग्रुप ने सुना। अमेरिकी नौसेना का एक हेलीकॉप्टर मदद के लिए पहुंचा। उसने हूती विद्रोहियों की 3 नाव को डुबो दिया, जिसमें कम से कम 10 विद्रोहियों की मौत मानी जा रही है। हालांकि एक नाव भागने में कामयाब रही। हालां ?कि ईरान ने लाल सागर में अलबोर्ज युद्धपोत की तैनाती का कोई विशेष कारण नहीं बताया। लेकिन यह जरूर बताया कि ईरानी सैन्य जहाज 2009 से इस क्षेत्र में काम कर रहे थे। अल्बोर्ज विध्वंसक लाल सागर के दक्षिणी सिरे पर बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य से होता हुआ, लाल सागर में प्रवेश कर गया, जो हिंद महासागर में अदन की खाड़ी से जुड़ता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नौसैनिक बेड़ा 2009 से शिपिंग लेन सुरक्षित करने, समुद्री डाकुओं को पीछे हटाने समेत अन्य उद्देश्यों के लिए इस क्षेत्र में है।

शी जिनपिंग का कबूलनामा... चीन में आर्थिक संकट गहराया, लोगों के पास नौकरी नहीं

बीजिंग (एजेंसी)। (ईएमएस)। चीन पिछले दिनों से खराब आर्थिक हालात देख रहा है। लेकिन वह इस संकट को छिपाता रहा है। पहली बार है जब राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने आर्थिक संकट की बात कबूल की है। उन्होंने कहा कि चीन के बिजनेस संघर्ष कर रहे हैं और नौकरी चाहने वालों को काम खोजने में समस्या हो रही है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस बात को कबूल किया। शी जिनपिंग 2013 से लगातार नए साल का संदेश दे रहे हैं। लेकिन यह पहली बार है, जब उन्होंने आर्थिक चुनौतियों का जिक्र किया।

चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। जिनपिंग का बयान घटती डिमांड, बढ़ती बेरोजगारी और पस्त व्यावसायिक विश्वास के बीच आया है। जिनपिंग ने चीन के सामने आने वाली मुश्किलों को स्वीकार किया। उन्होंने कहा, कुछ उद्यमों के लिए यह साल मुश्किल था। कुछ लोगों को नौकरी ढूंढने और बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में कठिनाई हुई।

शी के बोलने से कुछ घंटे पहले राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (एनबीएस) ने अपना मासिक क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) सर्वेक्षण प्रकाशित किया। एनबीएस के बयान के मुताबिक आधिकारिक मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई नवंबर महीने में 49.4 था जो दिसंबर में घटकर 49 पहुंच गया। पीएमआई का 50 से ऊपर होना विस्तार को दिखाता है।

दुनिया की फैक्ट्री का हाल खराब

चीन को दुनिया की फैक्ट्री कहा जाता है। साल 2023 इसके लिए अच्छा नहीं रहा। 2023 में चीन का विनिर्माण क्षेत्र अधिकांश समय तक कमजोर रहा। चीन की अर्थव्यवस्था इस साल कई समस्याओं से जूझ रही है, जिसमें लंबे समय तक प्रॉपर्टी में मंदी, रिकॉर्ड युवा बेरोजगारी, कमजोर कीमतें और स्थानीय सरकारों पर बढ़ता वित्तीय तनाव शामिल है। चीन लगातार हालातों को सुधारने की कोशिश में जुटा है। इसके लिए उसने कई कदम उठाए।

सेवानिवृत्त अमेरिकी सेना जनरल का बयान... पुतिन चाहते हैं कि ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति बने

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। सेवानिवृत्त अमेरिकी सेना जनरल बैरी मैककैफ्रे ने कहा है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन चाहते हैं कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 2024 का राष्ट्रपति चुनाव जीतें, क्योंकि पुतिन का मानना है कि 'ट्रंप का उत्पीड़न राजनीति से प्रेरित है, जो अमेरिकी राजनीतिक व्यवस्था कि खामियों को दिखाता है। क्रेमलिन में पुतिन के कैंसर से पीड़ित होने की अफवाह है और वह मॉस्को के बाहरी इलाके में एक दूर की हवेली से गुप्त रूप से काम कर रहे हैं और कुछ का कहना है कि वह जॉर्जिया में हैं।

इस महीने की शुरुआत में, डरहम में रैली में, पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प ने पुतिन का हवाला दिया, जिन्होंने कथित तौर पर उन कई आपराधिक आरोपों की आलोचना की थी, जिनका ट्रंप सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा था, पुतिन कहते हैं कि बाइडेन का अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी का राजनीति से प्रेरित उत्पीड़न रूस के लिए बहुत अच्छा है, क्योंकि यह अमेरिकी

राजनीतिक प्रणाली की सड़न को दर्शाता है, जो दूसरों को लोकतंत्र के बारे में सिखाने का दिखावा नहीं कर सकता है। पुतिन ने यह टिप्पणी इस साल सितंबर के अंत में पूर्वी रूस में एक आर्थिक मंच के दौरान की थी। इस बीच, रिपोर्टों में कहा गया है कि पूर्व राष्ट्रपति के 2016 के कार्यकाल के बाद से ट्रंप और पुतिन के बीच संबंधों की आलोचना की गई है, जब रूस के कथित चुनाव हस्तक्षेप और ट्रम्प अभियान के साथ संभावित समन्वय के सवाल उठे थे। एक साक्षात्कार के दौरान मैककैफ्रे ने कहा, मैं ट्रम्प और पुतिन के बीच के इस पूरे रिश्ते को कभी नहीं समझ पाया। पुतिन एक ठग, हत्यारा है, उसने रूसी संघ को आर्थिक, राजनीतिक रूप से भयानक संकट में डाल दिया है।

सेवानिवृत्त जनरल ने कहा, हां, पुतिन और इस मामले में उत्तर कोरियाई जैसे अन्य नेता सक्रिय रूप से ट्रम्प के पद पर वापस आने की उम्मीद कर रहे हैं, जहां मेरी व्यक्तिगत राय में, वह अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए विनाशकारी होगा। कुछ मीडिया रिपोर्टों में सुझाव दिया गया है कि चीन, ईरान, उत्तर कोरिया और रूस जैसे अमेरिका के कट्टर दुश्मन बाइडेन प्रशासन के खिलाफ गलत जानकारी या प्रचार फैलाने और ट्रम्प की प्रशंसा करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करके 2024 के चुनावों को बाधित करने या प्रभावित करने की साजिश में थे।

नेतन्याहू सरकार को झटका : विवादित कानून खारिज

तेल अवीव ।इजराइल के सुप्रीम कोर्ट ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार द्वारा पारित विवादित कानून को खारिज किया है। इस कानून से कोर्ट की शक्तियां कम कर दी गई थी और कानून के खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन हुआ था। 2023 में नेतन्याहू सरकार द्वारा पारित कानून को पलटने का सुप्रीम कोर्ट का फैसला महीनों की उथल-पुथल के बाद आया है। जुलाई 2023 में, सरकार ने कानून पारित किया था जिसे आलोचकों ने देश की न्यायिक प्रणाली कमजोर करने वाला बताया था। नए कानून ने इजराइल में अनुचित माने जाने वाले सरकारी फैसलों को रद्द करने की सर्वोच्च न्यायालय और निचली अदालतों की शक्ति को हटा दिया था।

पाकिस्तान में कर्ज चुकाने के लिए बेटियां को बेच रहे किसान

-10 साल की बेटी का 40 साल के अधेड़ से निकाह

कराची (एजेंसी)। 8 फरवरी 2024 को पाकिस्तान में चुनाव होने हैं। लेकिन हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि यहां महंगाई बढ़ रही है, वहीं दूसरी मौसम की मार की वजह से किसान कर्ज के बोझ तले दबते जा रहे हैं। इसके बाद मजबूरी में खुद को जिंदा रखने के लिए ये लोग अपनी मासूम बेटियों को बेचने का काम कर रहे हैं, ताकि खुद को कर्ज के बोझ से बचा सकें। पाकिस्तान में गरीबी का आलम यह है कि 10-12 साल की बच्चियों की शादी 40-50 साल के अधेड़ों से कराई जा रही है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान इलाके के लोगों से बातचीत में उनके दर्द को साफ-साफ महसूस किया जा सकता है। 10 साल के एक बच्ची के पिता का कहना है कि उसने अपनी बेटी की शादी 40 साल के अधेड़ से इसकारण करवा दी ताकि वह कर्ज चुका सके। शादी के बदले अधेड़ ने किसान को काफी पैसे दिए। किसान का कहना है कि मौसम की मार की वजह से खेतों की हालत खराब हो गई। इसके बाद कर्ज लेना पड़ा, लेकिन कर्ज को चुकाने के लिए कोई बंदोबस्त नहीं हुआ। मजबूरी में बेटियों को निकाह के नाम पर बेचना पड़ा। हालांकि, यह मामला इकलौता नहीं है।

दरअसल, पाकिस्तान के बलूचिस्तान इलाके में पिछले साल काफी ज्यादा बारिश हुई थी, जिससे बाढ़ भी आया। ये इलाका पूरी तरह से मुल्क से कट गया था। किसानों की खेती योग्य जमीन भी बह गई। एक साल बाद यहां की हालत और खराब हो गई। पाकिस्तानी अधिकारियों की मानें तब इस साल कम उम्र में निकाह के 13 फीसदी मामले बढ़ गए हैं। वहीं सर्वे के मुताबिक, कम उम्र में हुई शादी के कारण स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति पर भी असर पड़ा है। ऐसा कहा जाता है कि 5वीं कक्षा में जाते ही बच्चियों का रोका (इंगेजमेंट) कर दिया जाता है या फिर उनकी शादी कर दी जाती है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान इलाके में भले ही किसानों की जमीनें बह गईं, जिससे वे खेती नहीं कर पा रहे हैं, लेकिन इससे अलग पूरे पाकिस्तान में बढ़ती महंगाई की वजह से त्राहिमाम मचा हुआ है। खाने-पीने से जुड़े सामान इतने महंगे हो चुके हैं कि लोगों के लिए खरीदना मुश्किल है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरा टेस्ट जीतकर सीरीज में बराबरी करने उतरेगी भारतीय टीम

केपटाउन (एजेंसी)। रोहित शर्मा की कप्तानी में नये साल की शुरुआत में भारतीय टीम बुधवार को यहां मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे और अंतिम टेस्ट में जीत के इरादे से उतरेगी। टीम इंडिया पहले टेस्ट में हार के कारण पहले ही सीरीज में 1-0 से पीछे हैं। अब उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर सीरीज बराबरी पर लाना रहेगा। सेंचुरियन में खेले गए पहले टेस्ट मैच में मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने भारतीय टीम को तीन दिन के अंदर ही एक पारी और 32 रन से हरा दिया था। भारतीय टीम पिछ्ले 31 साल से दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट सीरीज का प्रयास कर रही है पर हर बार उसे शिकस्त का सामना करना पड़ा है। अब दूसरे टेस्ट मैच को जीतना भारतीय टीम के लिए आसान नहीं रहने वाला है। न्यू लैंड्स की पिच शुरुआत में तेज गेंदबाजों को मदद करने वाली है पर बल्लेबाज भी यहां अपना कौशल दिखा सकते हैं। इस पिच पर दोनों टीमों के गेंदबाजी आक्रमण की परीक्षा होगी। केपटाउन में विकेट काफी ज्यादा सपाट है। इस कारण इस विकेट पर साझेदारियां बढ़ेंगी, जिससे इसमें खेलना कठिन होता है। वहीं यदि पारंपरिक रूप से न्यूलैंड्स में हवा चलने पर पिच सूख जाएगी। ऐसे में स्पिनर्स के लिए परेशानी खड़ी हो सकती हैं। दक्षिण अफ्रीका ने न्यूलैंड्स में 59 टेस्ट मैच खेले हैं जहां उसे 27 में जीत मिली है जबकि 21 बार मेहमान टीम को जीत मिली है। वहीं 11 टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। यहां के मैदान पर पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 23 मैचों में जीत हासिल की है जबकि लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को 25 मैचों में जीत मिली है।

भारतीय टीम ने केपटाउन में 6 टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान उसे 4 में हार मिली है जबकि दो टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। भारतीय टीम को केपटाउन में आज तक जीत नहीं मिली है। भारत का यहां शीर्ष स्कोर414 रन रहा है जो उसने साल 2007 में दक्षिण अफ्रीका में बनाया था। वहीं भारतीय टीम का यहां सबसे कम स्कोर 135 रन रहा है। दक्षिण अफ्रीका ने साल 2018 में भारत को यहां 135 रनों पर आउट कर दिया था। वहीं मेजबान दक्षिण अफ्रीका की टीम इस मैच में बढ़े हुए मनोबल से उतरेगी। उसे घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। ऐसे में वह इस मैच को जीतकर सीरीज अपने नाम करना चाहेगी।

वहीं टीम इंडिया दूसरा टेस्ट मैच जीतकर सीरीज तो नहीं जीत सकती पर वह ड्रॉ जरूर करा सकती है। केपटाउन के न्यूलैंड्स की पिच पर भारत को अभी तक टेस्ट में जीत नहीं मिली है। ऐसे में टीम इंडिया यहां जीतकर इतिहास कायम कर सकती है। टीम इंडिया ने केपटाउन में अभी तक 6 टेस्ट मैच खेले हैं जहां उसे 4 में हार मिली है वहीं दो टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। इस मैच में मौसम साफ रहने की उम्मीद है।

टीम

भारत = रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, प्रसिद्ध कृष्णा, केएस भरत (विकेटकीपर), अभिमन्यु ईश्वरन।

दक्षिण अफ्रीका = तेम्बा बावुमा (कप्तान), एडेन मार्कराम, टोनी डी ज़ोरज़ी, डीन एल्गर, कीगन पीटरसन, काइल वेरिन (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स (विकेटकीपर), नांद्रे बर्गर, मार्को यानसन, वियान मुल्डर, गेराल्ड कोएत्ज़ी, केशव महाराज, कैगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, डेविड बेडिंघम।

दूसरे टेस्ट में शार्दुल को बाहर कर अश्विन ओर जडेजा को शामिल करें : श्रीकांत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान के श्रीकांत ने कहा है कि केपटाउन में मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में ऑलरांडर शार्दुल ठाकुर को जगह नहीं मिलनी चाहिये। श्रीकांत के अनुसार इस मैच में अनुभवी स्पिनर आर अश्विन व ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा को एकसाथ आक्रमण पर लगाया जाये। श्रीकांत के अनसार जडेजा की वापसी के बाद भी अश्विन को अंतिम ग्यारह में जगह मिलनी चाहिये। इससे पहले जडेजा सेंचुरियन में खेले गए पहले टेस्ट मैच में पीठ में जकड़न के कारण शामिल नहीं थे। ऐसे में उनकी जगह अश्विन को अवसर दिया गया था. पर अब जडेजा की वापसी होने की उम्मीद है। ऐसे में कहा जा रहा है कि अश्विन को बाहर कर दिया जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका की तेज पिचों को देखते हुए भारत ने मेजबानों के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के लिए 4 तेज गेंदबाजों को शामिल किया था पर श्रीकांत के अनुसार दूसरे टेस्ट में शार्दुल की जगह पर अश्विन को रखा जाना चाहिये। इस पूर्व कप्तान के अनुसार अश्विन इस मैच में जडेजा के साथ मिलकर मेजबान बल्लेबाजों पर अंकुशलगा सकता है।

श्रीकांत ने कहा, ' मैं अभी भी अश्विन के साथ उतरना चाहूंगा। मुझे लगता है कि वह शार्दुल से बेहतर हैं। मैं शार्दुल की जगह अश्विन को खिलाऊंगा। यदि वह 5 विकेट नहीं ले सकते तो भी वह कुछ विकेट तो ले ही सकते हैं। इसके साथ ही वह जडेजा के साथ मिलकर कसी हुई गेंदबाजी कर सकते है। अश्विन और जडेजा की जोड़ी साथ में मिलकर 4 से 5 विकेट निकाल सकती है। . जो पर्याप्त है.' वहीं पहले टेस्ट में शार्दुल ने 19 ओवर में 101 रन देकर केवल एक ही विकेट लिया था। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा ने 20 ओवर में 93 रन देकर एक विकेट लिया था। ये दोनों गेंदबाज लगता है कि अपनी लाइन और लेंथ भूल गए हैं।

श्रीकांत ने कहा कि अभी कृष्णा को अंतिम ग्यारह से बाहर करना गलत होगा। साथ ही कहा कि केवल एक मैच के आधार पर ही किसी भी खिलाड़ी को बाहर करना ठीक नहीं है। श्रीकांत, ' यदि आप उनके बल्लेबाजों को परेशानी में डालना चाहते हैं तो आपके पास अश्विन ओर जडेजा जैसे स्पिनर हैं। ये दोनो ही उन्हें अपनी फ्लाइट से बीट कर सकते हैं। आप इस तरह से कुछ ना कुछ प्रयोग कर सकते हैं।

दीप्ति शर्मा ने बनाया रिकॉर्ड, 100 वनडे विकेट पूरे, इस लिस्ट में बनाई जगह

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने महिला वनडे में 100 विकेट पूरे कर लिए हैं। 26 वर्षीय खिलाड़ी मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में तीसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया महिलाओं के खिलाफ अपने पहले विकेट के साथ इस मुकाम पर पहुंचीं। वह महिला वनडे में 100 विकेट लेने वाली चौथी भारतीय बन गई हैं। महिला वनडे विकेटों के मामले में वह अपनी हमवतन राजेश्वरी गायकवाड़ से आगे निकल गईं।

दीप्ति ने नूशिन अल खादीर (100) की बराबरी कर ली है। अब वह केवल झूलन गोस्वामी (155) और नीतू डेविड (141) से पीछे हैं। दीप्ति गायकवाड़ से आगे निकल गईं, जिन्होंने अब तक इस प्रारूप में 99 विकेट लिए हैं। एकता बिष्ट 90 से अधिक महिला वनडे विकेट लेने वाली एकमात्र अन्य भारतीय महिला हैं।

दीप्ति ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में दूसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया महिलाओं के खिलाफ पांच विकेट लिए थे। उक्त मुकाबले में भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 50 ओवरों में 258/8 पर रोक दिया था। लेकिन इसके बाद भारतीय टीम को तीन रन से मुकाबला गंवा देना पड़ा था।

टी20 क्रिकेट में रोहित शर्मा की होगी वापसी ! कुछ दिन में हो सकता है स्कॉड का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक साल के लंबे ब्रेक के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की टी20 क्रिकेट में जल्द ही वापसी हो सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान के खिलाफ इसी महीने से शुरू होने वाली टी20 सीरीज से रोहित शर्मा टीम इंडिया में वापसी करेंगे। अगर इस सीरीज में रोहित की वापसी होती है तो इसका मतलब साफ है कि बीसीसीआई टी20 वर्ल्ड में उन्हें टीम इंडिया की कमान देने की तैयारी में है।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी रोहित शर्मा ही करेंगे। इस रिपोर्ट में बोर्ड अधिकारी के हवाले से ये भी लिखा गया है कि हमने रोहित शर्मा से लंबी बातचीत की है। वह टी20 वर्ल्ड कप में कप्तानी करने को तैयार है। साउथ अफ्रीका से टेस्ट सीरीज के ठीक बाद भारतीय टीम को अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। टी20 वर्ल्ड कप के पहले टीम इंडिया की आखिरी टी20 सीरीज है। ऐसे में भारत को वर्ल्ड कप के लिहाज से टीम कॉम्बिनेशन समेत अन्य चीजों को ट्राय करने की संभवत ये आखिरी मौका होगा। यही कारण है कि ये सीरीज बेहद अहम मानी जा रही है।

बता दें कि, अब तक माना जा रहा था कि रोहित अफगानिस्तान सीरीज का हिस्सा शायद ही बने। ये भी दावे किए जा रहे थे कि टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भी रोहित शर्मा नहीं होंगे। ऐसे कयास इसलिए भी लगाए जा रहे थे क्योंकि रोहित पिछ्ले टी20 वर्ल्ड कप के बाद से ही किसी भी टी20 इंटरनेशनल का हिस्सा नहीं रहे हैं। हार्दिक पंड्या की दावेदारी भी इसकी बड़ी वजह थी। हालांकि, कुछ ही दिनों में अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम के स्क्वॉड का ऐलान हो सकता है। जिसमें कप्तानी की जिम्मेदारी रोहित शर्मा के कंधों पर हो सकती है।

अकरम ने पीएसएल को मिनी आईपीएल करार दिया

लाहौर । पाकिस्तान के दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने इंडियन प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट की जमकर तारीफ की है। अकरम ने आईपीएल को पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से अहम टूर्नामेंट बताया है। उन्होंने कहा कि पीएसएल को मिनी-आईपीएल भी कहा जा सकता है। साथ ही कहा कि मैं दोनों लीगों का हिस्सा रहा हूं पर इनकी तुलना नहीं की जा सकती है। आईपीएल विश्वस्तर पर एक बड़ा टूर्नामेंट है जबकि पीएसएल पाक में सबसे बड़ा टूर्नामेंट है। वहीं जब अकरम से कोलकाता नाइट राइडर्स और कराची किंग्स के बीच चयन करने के लिए कहा गया, तो उन्होंने दोनो , को ही अच्छा बताया। आईपीएल में दुनिया भर के खिलाड़ी खेलते हैं पर पाक खिलाड़ियों को उसमें प्रवेश नहीं मिलता।

सचिन सहित कई क्रिकेटरों ने प्रशंसकों को नये साल की बधाई दी

मुम्बई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, वसीम जाफ़र और केएल राहुल सहित कई पूर्व और वर्तमान खिलाड़ियों ने प्रशंसकों को नये साल की शुभकामनाएं दी हैं। जाफर ने एक अलग ही अंदाज में सभी को नये साल की बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक अनूठे अंदाज में लिखा, सभी को नये साल की बधाई! आपके लिए ये साल पैट कमिंस के पिछले साल जैसा सफल हो।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान के कप्तान कमिंस ने पिछले साल कई अहम उपलब्धियां हासिल कीं थीं। उनकी कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के साथ ही एकदिवसीय विश्वकप भी जीता था। इसके अलावा कमिंस पर आईपीएल नीलामी में भी पैसा बरसा था। इससे वह आईपीएल इतिहास के दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी भी बन गये थे। उन्हें सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने 20 करोड़ 50 लाख रुपये में खरीदा था। वहीं सबसे ज्यादा रकम उनके के साथी मिचेल स्टार्क को मिली थी। स्टार्क को करीब 24 करोड़ की राशि मिली थी।

वहीं, महान बल्लेबाज सचिन ने शुभकामनाएं देते हुए कहा, नया साल नए सपनों को लिखने और वर्तमान सपनों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध होने के लिए एक अच्छा समय है। हमारे सभी सकारात्मक विचार उन लक्ष्यों में प्रकट हों जो हम चाहते हैं। सभी के लिए सुखद हो ये नया साल। वहीं भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल ने लिखा, सभी के लिए नया साल प्यार, सकारात्मकता और रोमांच से भरा हो। वहीं भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने कहा, आने वाले वर्ष आपका खुशियों, सफलता और रोमांच से भरा हो। नई शुरुआत के लिए शुभकामनाएं! नया साल मुबारक हो। इसके अलावा गौतम गंभीर सहित कई अन्य पूर्व क्रिकेटरों ने भी प्रशंसकों को बधाईयां दी हैं।

दक्षिण अफ्रीका में चार देशों के टूर्नामेंट में भाग लेगी भारतीय पुरुष हॉकी टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक की तैयारियों के सिलसिले में दक्षिण अफ्रीका में 14 जनवरी से शुरू होने वाले चार देशों के टूर्नामेंट में भाग लेगी जिसमें उसका सामना मेजबान देश के अलावा फ्रांस और नीदरलैंड से होगा।

हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति के अनुसार इस टूर्नामेंट से पहले 39 सदस्यीय कोर ग्रुप राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में भाग लेगा जो बुधवार से भारतीय खेल प्राधिकरण के बेंगलुरू स्थित परिसर में शुरू होगा। पेरिस ओलंपिक के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुकी भारतीय टीम 11 दिन के शिविर के बाद केपटाउन रवाना होगी। दक्षिण अफ्रीका में 28 जनवरी तक चलने वाले टूर्नामेंट से भारतीय टीम को फरवरी में ओडीशा में होने वाले प्रो लीग की तैयारी करने का भी मौका मिलेगा।

भारत को प्रो लीग में ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैंड, स्पेन और आयरलैंड का सामना करना है। भारतीय हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, 'हमारे खिलाड़ी अपने परिवार के साथ छुट्टियां मनाने के बाद तरोताजा होकर वापसी कर रहे हैं। हम दक्षिण अफ्रीका के दौरे से हॉकी सत्र की शुरुआत करेंगे। यहां से पेरिस ओलंपिक तक हमारा कार्यक्रम बेहद व्यस्त रहेगा। हमारे कोर ग्रुप में अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं।'

कोर ग्रुप के लिए चुने गए खिलाड़ी

गोलकीपरः कृष्ण बहादुर पाठक, श्रीजेश पीआर, सूरज करकेरा, पवन, प्रशांत कुमार चौहान।

डिफेंडरः जरमनप्रीत सिंह, सुरेंदर कुमार, हरमनप्रीत सिंह, वरुण कुमार, अमित रोहिदास, गुरिंदर सिंह, जुगराज सिंह, मनदीप मोर, नीलम संजीप जेस, संजय, यशदीप सिवाच, दिपसन टिर्की, मंजीत।

मिडफील्डरः मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह, शमशेर सिंह, नीलकंठ शर्मा, राजकुमार पाल, सुमित, आकाशदीप सिंह, गुरजंत सिंह, मोहम्मद राहील मौसीन, मनिंदर सिंह।

फॉरवर्डः एस कार्ति, मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, सिमरनजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, पवन राजभर।

राफेल नडाल ने जीत के साथ ही साल की शुरुआत, डोमिनिक थिएम को हराया

ब्रिसबेन । बाईस बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन राफेल नडाल ने दुनिया के पूर्व नंबर तीन खिलाड़ी डोमिनिक थिएम को 7.5, 6.1 से हराकर इस वर्ष में पहली जीत दर्ज की। पिछले साल जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के दूसरे दौर में बाहर होने के बाद से नडाल ने कोई एकल मैच नहीं खेला है। 37 वर्ष के नडाल ने पहले सेट में सिर्फ छह सहज गलतियां की और तीन ही अंक गंवाए। उन्होंने 89 मिनट में यह मुकाबला जीता। कूल्हे की चोट के कारण लंबे रिहैबिलिटेशन के बाद लौटे नडाल यहां वाइल्ड कार्ड पर खेल रहे हैं। अन्य मैचों में जर्मनी के यानिका हांफमैन ने पांचवीं वरीयता प्राप्त सेबेस्टियन कोरडा को 7.5, 6.4 से मात दी। महिला वर्ग में 2020 आस्ट्रेलियाई ओपन विजेता सोफिया केनिन ने 113वीं रैंकिंग वाली एरिना रोडियोनोवा को 7.5, 7.6 से हराया।

अमेरिकी ओपन चैंपियन में कोको गॉ की शानदार शुरुआत

ऑकलैंड । अमेरिकी ओपन चैंपियन कोको गॉ ने मंगलवार को यहां ऑकलैंड टेनिस क्लासिक में हमवतन क्लेरी लियु को सीधे सेटों में हराकर 2024 के अपने सत्र की शानदार शुरुआत की। गत चैंपियन गॉ ने अपने फोरहैंड का शानदार नमूना पेश किया तथा लियु को 6-4, 6-2 से पराजित करके दूसरे दौर में प्रवेश किया। गॉ ने पिछले साल अमेरिकी ओपन के फाइनल में आर्यना सबालेंका को 2-6, 6-3, 6-2 से हराकर अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीता था। विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी कैरोलिन वोज्नियाकी ने नए साल की शुरुआत हार के साथ की। उन्हें पहले दौर में दूसरी वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना ने 6-4, 6-3 से पराजित किया।

पाकिस्तान ने की प्लेइंग 11 की घोषणा की, शाहीन अफरीदी बाहर

सिडनी (एजेंसी)। श्रृंखला के पहले दो टेस्ट हारने के बाद पाकिस्तान ने शाहीन शाह अफरीदी को उनके कार्यभार को प्रबंधित करने के लिए सिडनी में 3 जनवरी से शुरू होने वाले नए साल के टेस्ट के लिए ब्रेक देने का फैसला किया है। पाकिस्तान टीम प्रबंधन ने स्पष्ट कर दिया था कि अगर वे बॉक्सिंग डे टेस्ट हार जाते हैं तो टी20 विश्व कप करीब आने पर वे शाहीन को तीसरे मैच के लिए आगे नहीं बढ़ाएंगे। साजिद खान ने प्लेइंग इलेवन में इस तेज गेंदबाज की जगह ली। 30 वर्षीय खिलाड़ी ने अबरार अहमद की जगह ली, जब पहले टेस्ट के बाद अबरार को श्रृंखला से बाहर कर दिया गया था। उन्होंने विक्टोरिया इलेवन के खिलाफ टूर मैच में भाग लिया, लेकिन प्रभाव नहीं डाल सके क्योंकि उन्होंने सिर्फ एक विकेट लिया और छह रन बनाए। वहीं मेलबर्न में शानदार प्रदर्शन के बाद मोहम्मद रिजवान ने अपनी जगह बरकरार रखी है। उन्होंने 42 और 35 रन बनाए और अंतिम एकादश में अपना स्थान पक्का कर लिया क्योंकि कप्तान शान मसूद अनुभवी सरफराज अहमद से आगे उनका समर्थन करते रहे। सीरीज के आखिरी टेस्ट में सबकी निगाहें बाबर आजम पर होंगी। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान से उम्मीद की जा रही थी कि वह कप्तान का पद छोड़ने के बाद बल्ले से बेहतर प्रदर्शन करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इस श्रृंखला में अब तक चार पारियों में 29 वर्षीय ने केवल 77 रन बनाए हैं, जिसने एशिया के बाहर बल्ले से उनके प्रदर्शन पर सवाल उठाए हैं। इस बीच, शाहीन, नसीम शाह और हारिस रऊफ के गायब होने से गेंदबाजी इकाई कमजोर दिख रही है। नसीम फिलहाल कंधे की चोट से उबर रहे हैं और उनके पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से पहले वापसी की उम्मीद है जबकि रऊफ ने टेस्ट क्रिकेट के बजाय बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेलने का फैसला किया। उनकी अनुपस्थिति में हसन अली को गेंद के साथ अधिक जिम्मेदारी लेनी होगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट के लिए पाकिस्तान की प्लेइंग 11

सईम अयूब, अब्दुल्ला शफीक, शान मसूद (कप्तान), बाबर आजम, सऊद शकील, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), सलमान आगा, साजिद खान, हसन अली, मीर हमजा, आमिर जमाल

लियोन के तीन सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में सचिन, विराट भी शामिल

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन ने कहा है कि उन्होंने अपने अब तक के करियर में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ खेला है। लियोन के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियें की सूची में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली के अलावा दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स हैं। लियोन अभी विश्व के शीर्ष स्पिनरों में शामिल हैं। उनके नाम टेस्ट प्रारुप में 500 से अधिक विकेट हैं। लियोन ने पाकिस्तान के खिलाफ सिडनी में तीसरे टेस्ट मैच से पहले कहा कि उन्होंने अब तक कई बेहतरीन खिलाड़ियों के खिलाफ खेला है पर सर्वश्रेष्ठ की बात की जाये तो ये तीन ही हैं। लियोन ने विराट को टेस्ट में 7 बार आउट किया है। उन्होंने साल 2011 और साल 2013 के के दौरान सचिन को 4 बार आउट किया। उन्होंने 27 टेस्ट मैचों में भारत के खिलाफ 121 विकेट लिए हैं। उन्होंने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ 50 रन देकर आठ विकेट भी बेंगलुरु में भारत के खिलाफ किया था। लियोन ने डिविलियर्स को भी दो बार आउट किया है। बता दें कि लियोन ने पर्थ में पाकिस्तान के खिलाफ पहले मैच में 500 टेस्ट विकेट लिए थे। वह 500 टेस्ट विकेट लेने वाले चौथे स्पिनर हैं।

केपटाउन में आज तक नहीं जीत सकी है भारतीय टीम, रोहित बदल पायेंगे इतिहास ?

केपटाउन (एजेंसी)। भारतीय टीम बुधवार को मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में किसी भी प्रकार जीत दर्ज कर सीरीज बराबरी पर लाने के इरादे से उतरेगी। हालांकि ये भारतीय टीम के लिए आसान नहीं रहेगा। भारतीय टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी पहले टेस्ट में विफल रही थी थी जिसके वह मनोबल कम हुआ है। वहीं अगर आंकड़ों पर नजर डालें तो भी भारतीय टीम का पलड़ा कमजोर है। भारत को कभी भी केपटाउन के न्यूलैंड्स में जीत नहीं मिली है। उसे पिछ्ले छह में से 4 टेस्ट मैच में हार मिली थी।

दोनो के बीच केपटाउन में पहला टेस्ट मैच 1993 में खेला गया था। तब भारतीय टीम की कप्तानी मोहम्मद अजहरुद्दीन के पास थी। वहीं दक्षिण अफ्रीकी टीम की कप्तानी कैप्लर वेसल्स कर रहे थे। यह मैच बराबरी पर समाप्त हुआ था।

भारत और दक्षिण अफ्रीका यहां दूसरी बार 1997 में आमने-सामने आये थे। इस मैच में सचिन तेंदुलकर की कप्तानी वाली भारतीय टीम को 282 रनों से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम इसके एक दशक के बाद द्रविड़ की कप्तानी में एक बार फिर केपटाउन में उतरी पर इस बार उसे 5 विकेट से हार झेलनी पड़ी।

भारत ने 1993 के बाद 2011 में भी केपटाउन में टेस्ट मैच ड्रॉ कराया। इस प्रकार महेन्द्र सिंह धोनी, दूसरे ऐसे कप्तान बने, जिनकी कप्तानी में भारत केपटाउन में नहीं हारा। साल 2011 के बाद भारतीय टीम दो बार और केपटाउन में टेस्ट मैच खेलने उतरी पर दोनों ही बार उसे हार का सामना करना पड़ा. दक्षिण अफ्रीका ने साल 2018 में 72 रन और 2022 में 7 विकेट से जीत दर्ज की। इस दौरान विराट कोहली कप्तान थे। ऐसे में अब देखना है कि रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम केपटाउन में जीतती है या उसे भी हार मिलती है।

सुंदर हैंडराइटिंग भी दिलाती है नंबर

हिन्दी में केवल पढ़ना या रटना पर्याप्त नहीं है। लेखन का अभ्यास बेहद जरूरी है। नियमित लेखन से लिखाई तो सुन्दर होगी ही, वर्तनी की त्रुटियां भी सुधरेंगी और विषय-वस्तु भी भली-भांति समझ आएगी। ध्यान रहे, हिन्दी के प्रश्न का दारोमदार मुख्यतः आपके स्पष्टीकरण और बढ़िया प्रेजेंटेशन पर टिका है। हिन्दी की तैयारी के लिए छात्रों को 2013 के प्रश्न पत्र के प्रारूप एवं अंक योजना में आए परिवर्तनों का पता होना भी बेहद जरूरी है। इसके अलावा सीबीएसई की वेबसाइट पर 2013 में टॉप पर रहे कुछ विद्यार्थियों की आंसरशीट भी डाली गई हैं, ताकि आगामी एग्जाम में बैठने वाले छात्रों को उनके द्वारा लिखे गए प्रश्नों के उत्तर और खास प्रेजेंटेशन के बारे में मालूम हो सके। कुछ मॉडल पेपर्स भी जरूर तैयार करें, क्योंकि ये मॉडल पेपर सीबीएसई एक्सपर्ट द्वारा ही बनाए जाते हैं और उसी तरह के प्रश्नों को 12वीं बोर्ड परीक्षा में पूछा जाता है।

प्रश्नों के उत्तर लिखने का तरीका

अध्ययन की कमी के कारण कुछ छात्रों के उत्तर 'टू दि प्वाइंट' नहीं होते। न तो वह पैराग्राफ बदलते हैं और न ही उनके लेखन में क्रमबद्धता होती है। इसके अलावा अन्य प्रश्नों में परीक्षक आपके विचार, आपके लिखने की शैली, लेखन क्षमता के तौर-तरीके व स्टेपवाइज दिए गए आंसर की परख करता है। थोड़ा आपके लेखन से भी प्रभावित होता है एग्जामिनर।

काव्य और गद्य इस तरह करें

काव्य खंड को हल करते समय छात्र इस बात का अवश्य ध्यान रखें कि व्याख्या वाले प्रश्न में पहले, प्रसंग में कवि और कविता का नाम तथा व्याख्या में प्रसंगानुसार छात्र के विचार तथा विशेष में अलंकार, भाषा और शिल्प सौंदर्य को सिर्फ एक-एक लाइन में लिखें।

इसी तरह गद्यांश की व्याख्या में रचानाकार की मूलकृति तथा उसमें दिए गए 'मूल भाव' का याद करना और समझना बेहद जरूरी है। गद्यांश में परीक्षक यह देखता है कि छात्र को दी गई विषय-वस्तु की कितनी जानकारी है। इसमें छात्रों को भाव-विचार व शिल्प सौंदर्य को अवश्य तैयार करना चाहिए। ऐसा करने से ऐसे प्रश्नों में पूरे अंक मिलते हैं। दूसरा साहित्यकार का परिचय देते समय तीन उप शीर्षक जरूरी हैं। पहला संक्षिप्त जीवन परिचय, रचनाएं व भाषागत विशेषताएं। चरित्र-चित्रण वाले प्रश्नों को हल करते समय उन्हें अलग-अलग शीर्षकों में लिखें। अपठित काव्यांश व गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देते समय सबसे पहले दो-तीन बार ध्यानपूर्वक पढ़ना चाहिए। गद्यांश व पद्यांश की पंक्तियों को ज्यों का त्यों न लिख कर सीधी-सरल भाषा में संक्षिप्त व सटीक उत्तर देने चाहिए।

हॉट्स प्रश्न ऐसे सॉल्व करें

जो प्रश्न अधिक अंकों के हैं, उन्हें हॉट्स क्वेश्चन कहते हैं। उन्हें स्टेपवाइज हल करें, क्योंकि ऐसे प्रश्नों में एक प्रश्न में ही भिन्न-भिन्न चीजों को लिखना होता है। कम अंक वाले प्रश्नों को कम से कम दो बार पढ़ कर 'टू दि प्वाइंट' लिखें। 6 से 8 अंकों के प्रश्नों का उत्तर 150 शब्दों से ज्यादा न हो और 6 अंकों के प्रश्नों का उत्तर 100 शब्दों तथा 2 और 4 अंकों के प्रश्नों का उत्तर दो लाइन और 50 और 60 शब्दों में दिया हो।

ऐसे करें निबंध और पत्र की तैयारी

छात्रों को परीक्षा की तैयारी करते समय निबंध, पत्र व अपठित बोध की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। नए पाठ्यक्रम में निबंध लेखन के अन्तर्गत परम्परागत विषयों पर नहीं, बल्कि करंट अफेयर्स व व्यावहारिक (practical subjects) विषयों पर पूछे जाते हैं। जैसे - उत्तराखण्ड त्रासदी, भ्रष्टाचार, लोकपाल बिल, भारतीय चुनाव प्रणाली में सुधार, जैसे महत्वपूर्ण विषयों को तैयार करके अलग नोटबुक पर लिख कर अभ्यास करें। अभ्यास करने से छात्रों में आत्मविश्वास व राइटिंग स्पीड में वृद्धि होती है। छात्रों को इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए कि वो बड़े-बड़े वाक्य न बनाएं, बल्कि छोटे-छोटे व सरल वाक्यों का प्रयोग करें। हिन्दी में पत्र लेखन के लिए कुछ समाचार पत्रों और उनके संपादकों के नाम, प्रकाशन कार्यलय आदि के नाम जरूर याद करें। पत्रों में औपचारिक तथा अनौपचारिक पत्रों का लिखित अभ्यास करें।

कुछ महत्वपूर्ण बिंदू

उत्तर पुस्तिका में उत्तरों का प्रस्तुतीकरण ढंग से करें। 2. कम से कम तीन मॉडल पेपर (सीबीएसई) हल जरूर करें। 3. जिन प्रश्नों को प्वाइंट्स में लिखा जा सकता हो, वहां और किसी तकनीक का प्रयोग न करें। 4. सीबीएसई की अंक योजना के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दें। 5. व्याख्या वाले प्रश्नों में प्रसंग, व्याख्या व सौंदर्य बोध या विशेष को अलग-अलग रेखांकित करें। 6. जीवनी वाले प्रश्नों में छात्रों, लेखकों या कवियों में से उनकी विचारधारा, समय, रचनाएं व भाषा शैली जरूर लिखें।

पिछले एक दशक में देश में कंप्यूटर का चलन तेजी से बढ़ा है. बड़ी से बड़ी कंपनी और छोटे से छोटे ऑफिस तक की सारी गोपनीय जानकारियां कंप्यूटर में रखी जा रही हैं. सुरक्षा को ध्यान में रख कर कंप्यूटर पर पासवर्ड सेट किये जा रहे हैं. पासवर्ड ज्यादा सुरक्षित हों, इसके भी तरीके उजागर किये जा रहे हैं.

बनें साइबर सुरक्षा के मास्टर

साइबर सुरक्षा के तमाम उपाय करते हुए भी उनकी जानकारियां पलक झपकते ही सात समंदर पार बैठे लोगों तक आसानी से पहुंच जा रही हैं. यह काम कंप्यूटर के जानकारों द्वारा ही किया जाता है. इन्हें रोकने का जिम्मा एथिकल हैकर का होता है और इस पूरी प्रक्रिया को एथिकल हैकिंग का नाम दिया गया है. हालिया कुछ वर्षों में इमेल हैकिंग, गोपनीय दस्तावेज लीक होने, आतंकी हमले आदि की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं. इससे व्यक्ति विशेष, संस्थान के अलावा पूरे देश की सुरक्षा को खतरा उत्पन्न होने की संभावना भी बढ़ी है.

क्यों पड़ी इसकी जरूरत

नासकॉम की एक रिपोर्ट की मानें, तो देश में 77 हजार एथिकल हैकरों की प्रतिवर्ष आवश्यकता है, जबकि सिर्फ 25-30 हजार प्रोफेशनल्स प्रतिवर्ष सामने आ रहे हैं. यानी इसकी जरूरत से काफी कम लोग हर साल यह कोर्स कर रहे हैं. रिपोर्ट के अनुसार, एथिकल हैकर की मांग आनेवाले समय में और अधिक बढ़ने की उम्मीद है, क्योंकि हर क्षेत्र में कंप्यूटर का दखल बढ़ता जा रहा है और लोग अपनी सारी गोपनीय जानकारियां कंप्यूटर में ही रखना चाह रहे हैं.

कब करें यह कोर्स

एथिकल हैकिंग से संबंधित बैचलर, मास्टर, पीजी डिप्लोमा और डिप्लोमा कई तरह के कोर्स मौजूद हैं. कुछ कोर्स ऐसे भी हैं, जिनमें एथिकल हैकिंग एक विषय के रूप में पढ़ाया जाता है. बैचलर कोर्स में दाखिला 12वीं के बाद, मास्टर व पीजी में प्रवेश ग्रेजुएशन के बाद और डिप्लोमा में बारहवीं के बाद प्रवेश ले सकते हैं. इन योग्यताओं के साथ-साथ इसमें कंप्यूटर की जानकारी को सर्वोपरि रखा जाता है. बैचलर व मास्टर कोर्स कंप्यूटर एप्लीकेशन से संबंधित होते हैं. बैचलर कोर्स में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा पास करना जरूरी है. अंकित फाड़िया सर्टिफाइड एथिकल हैकर कोर्स भी प्रचलन में है.

कोर्स से जुड़ी जानकारी

कोर्स के दौरान छात्रों को कंप्यूटर सिक्योरिटी से जुड़ी पूरी जानकारी प्रदान की जाती है. क्लास में प्रेजेंटेशन टेस्ट, गैजेट्स की जानकारी, हैकिंग, पासवर्ड क्रैकिंग, मालवेयर एनालिसिस, पोर्ट स्कैनिंग, बफर ओवरफ्लो आदि के बारे में विस्तार से बताया जाता है. कोर्स के दौरान ही छात्र सिक्योरिटी से संबंधित समस्याओं की रिपोर्ट करने, नियम के दायरे में रह कर काम करने, बायोमेट्रिक्स सिस्टम पर प्रोजेक्ट तैयार करने और हालिया घटित हैकिंग के नये मामलों पर चर्चा करते हैं.

इसमें संभावनाएं हैं अपार

कोर्स समाप्त होने के बाद प्रोफेशनल्स को किसी कंपनी में सिक्योरिटी एनालिस्ट, चीफ इन्फार्मेशन ऑफिसर, प्रेजेंटेशन टेस्टर व नेटवर्किंग स्पेशलिस्ट के रूप में काम करने का अवसर मिलता है. प्रेजेंटेशन टेस्टर के रूप में प्रोफेशनल्स फायरवाल की जांच करते हैं, जिससे कि गैरजरूरी चीजों का प्रवेश रोका जा सके. जबकि नेटवर्किंग स्पेशलिस्ट के अंतर्गत संस्थान के कंप्यूटर नेटवर्क की सुरक्षा, सॉफ्टवेयर आदि की सुरक्षा का जिम्मा होता है. साइबर विशेषज्ञ पवन दुग्गल के अनुसार इस क्षेत्र में शुरुआती दौर में 40 से 60 हजार रुपये प्रतिमाह की सैलरी आसानी से मिलती है. यदि प्रोफेशनल्स के अंदर स्किल्स हैं, तो वे 80 से 90 हजार प्रतिमाह का भी पैकेज पा सकते हैं.

कहां मिलते हैं रोजगार

एथिकल हैकिंग का कोर्स करने के बाद उम्मीदवार बैंक, एयरलाइंस, होटल्स, टेलीकॉम कंपनी, आउटसोर्सिंग यूनिट्स, आइटी सर्विस कंपनी, रिटेल चेन, इंटरनेट फर्म्स आदि में काम कर सकते हैं.

कंप्यूटर नेटवर्किंग नॉलेज है जरूरी

इस प्रोफेशन में सबसे जरूरी है कंप्यूटर नेटवर्किंग नॉलेज. बिना इसके लंबी रेस का घोड़ा नहीं बना जा सकता. इसके अलावा प्रोफेशनल्स को जावा, यूनिक्स व सी++ में भी दक्ष होना जरूरी है. साथ ही उसे अपना दिमाग हमेशा खुला रखना होगा और नेटवर्किंग से जुड़ी हर जानकारी को आत्मसात करना होगा. प्रॉब्लम सॉल्विंग, एनालिटिकल स्किल्स, सिक्योरिटी सिस्टम और कंप्यूटर का गहरा ज्ञान भी काफी ऊंचाई तक ले जा सकता है.

ऊंची उड़ान के लिए कर्मचारियों को रखें प्रोत्साहित

गूगल अपने कर्मचारियों को मुफ्त खाना देता है, पालतु कुत्तों को दफ्तर में लाने की स्वीकृति देता है, आप मानें या न मानें लॉन की घास साफ करने के लिए उन्होंने बकरियां भी रखी हैं। बेशक हर कम्पनी गूगल जैसे सुविधाएं न देना चाहे, सफलता का मंत्र है कि अपने कर्मचारियों को किसी न किसी तरह से प्रोत्साहित तथा खुश रखा जाए ताकि वे दिल लगा कर काम करें।

आज प्रोत्साहन केवल पैसों तक ही सीमित नहीं है, कर्मचारियों के कल्याण के लिए रोज कुछ न कुछ करते रहना जरूरी है। चाहे उनके लिए चाय-पानी का खास इंतजाम किया जाए या इस बात पर ध्यान दिया जाए कि कोई कर्मचारी क्यों ओवरटाइम काम कर रहा है। ऐसे ही कुछ तरीकों के बारे में जानते हैं जिनसे कर्मचारियों को प्रोत्साहित तथा उत्साहित रखा जा सकता है।

उनकी बात सुनें

कर्मचारियों की भावनाओं को जानने का पहला कदम उनकी बात सुनना है ताकि उपयुक्त सुधार किए जा सकें। केवल वही बातें सुनना काफी नहीं हैं जो कर्मचारी कहें, अपनी आंखें खुली रखना भी जरूरी है क्योंकि कई बार कर्मचारी अपने मुंह से कुछ नहीं कहते हैं परंतु उसका असर उनके कामकाज तथा उनके व्यवहार में स्पष्ट जाहिर होता है। उन समस्याओं को समझना तथा दूर करना जरूरी है जो किसी कर्मचारी को प्रभावित करती हों। अच्छी नीतियां तथा अच्छा शासन इस तथ्य से कायम होता है कि प्रबंधन कर्मचारियों की बात सुनता है।

खाओ, खेलें और काम करो

अच्छी तनख्वाह तथा भत्तों के साथ-साथ तनाव दूर करने वाली गतिविधियां, खेल आदि का इंतजाम भी होना चाहिए। दफ्तर के एक हिस्से में कर्मचारियों के हल्के-फुल्के खेल का इंतजाम हो तो तनाव से मुक्ति पाने के साथ-साथ एक-दूसरे को बेहतर ढंग से जाना जा सकता है।

विश्वास कायम करना

कर्मचारियों को इस बात का विश्वास दिलाना भी जरूरी है कि कम्पनी करियर शुरू करने तथा तरक्की करने के लिए एक उत्तम स्थान है। काम से असंतुष्ट होकर कर्मचारियों के कम्पनी छोडने का एक कारण अक्सर उनमें विश्वास की कमी होता है। वहां कर्मचारियों के आपस में तथा वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संबंध सही नहीं होते हैं। कई बार तो कर्मचारियों पर बस काम थोप दिया जाता है और उन्हें यह भी पता नहीं होता है कि वे काम क्यों कर रहे हैं। उन्हें कम्पनी के लक्ष्य के साथ जोडना अहम है।

भावनाओं पर नियंत्रण

कर्मचारियों को दिए जाने वाले पैसे या भत्तों को अब कई कम्पनियां निवेश के तौर पर देखती हैं। कठिन दौर में सहायता करके कर्मचारियों को कम्पनी के प्रति वफादार बनाया जा सकता है। यही वजह है कि ऐसी इंडस्ट्रीज हैं जिन्होंने मुनाफे में कमी के बावजूद अपने कर्मचारियों के भत्तों में कटौती नहीं की।

करियर की पहली सीढ़ी आवेदन पत्र

आजकल आवेदन पत्रों का स्वरूप काफी विस्तृत हो गया है। आवेदक की योग्यता एवं प्रतिभा का आकलन आज काफी हद तक आवेदन पत्रों में उसके द्वारा भरी हुई जानकारी से ही लगाया जाने लगा है, अतः यह बहुत आवश्यक है कि फार्म भरते समय अत्यंत सावधानी बरती जाए। सैंकड़ों फार्म सिर्फ इसलिए रद्द कर दिए जाते हैं क्योंकि वे सही ढंग से भरे हुए नहीं होते। आवेदन पत्र भरना भी एक कला है। वैसे यदि इस कला को तकनीकी कौशल की संज्ञा दी जाए तो गलत नहीं होगा। प्रभावशाली तरीके से आवेदन पत्र भरने के लिए निम्नलिखित बातों का अवश्य ध्यान रखें

- सर्वप्रथम बाजारों एवं एजैंटों के पास उपलब्ध विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के आवेदन पत्रों को भली-भांति जांच करने के पश्चात ही खरीदें। कभी-कभी फार्म डुप्लीकेट भी मिलते हैं। बेहतर होगा कि रोजगार समाचार में प्रकाशित प्रारूप से आवेदन पत्र का मिलान कर लें।
- किसी भी आवेदन पत्र को भरने से पूर्व उसके साथ संलग्न विवरणिका या नियमावली का गहराई से अध्ययन करें। आवेदन पत्र के ऊपर लिखे निर्देशों को भी ध्यानपूर्वक पढ़ें। जो सूचनाएं आवेदन पत्र में मांगी गई हैं, वे सारी पहले नोट कर लें तथा एक-एक करके सारी सूचनाएं इकट्ठी करें।
- आवेदन पत्र का कोई भी कॉलम जल्दबाजी में न भरें। पहले पढ़ें, फिर सोचें, तभी कलम को हरकत में लाएं।
- आवेदन पत्र को कभी गलत न भरें। विवरण समझ में नहीं आने पर किसी जानकार व्यक्ति या संस्थान से उसको सही ढंग से समझ लें।
- फार्म के सभी कॉलमों को भरते हुए ध्यान रखें कि आपकी जानकारी सही एवं प्रमाणिक होनी चाहिए। बहुत से उम्मीदवार सिर्फ अच्छा प्रभाव डालने के उद्देश्य से कई बार फार्म में गलत जानकारी भी भर देते हैं।
- आवेदन पत्र भरते समय हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि आवेदन पत्र में 'काट-छांट' या 'ओवरराइटिंग' न हो क्योंकि इससे आवेदन पत्र के जांचकर्ता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- फार्म भरते समय एक ही रंग की स्याही या बॉलपैन का प्रयोग करें और हो सके तो नीले बॉल पैन को ही उपयोग में लाएं। लाल स्याही से तो फार्म कभी भी न भरें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादक: **जितेन्द्र चौधरी**, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in